राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 131 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

वर्दी का नहीं रखा मान! महिला थाना प्रभारी ने स्टेशन के अंदर बनाया रोमांटिक रील

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में एक महिला थाना प्रभारी द्वारा थाने के अंदर फिल्मी गाने पर रील बनाना महंगा पड़ गया है। सगरा थाना प्रभारी अंकिता मिश्रा का एक रोमांटिक गाने पर बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले का संज्ञान लेते हुए रीवा रेंज के उप महानिरीक्षक ाजेश सिंह ने पूरे संभाग के पुलिसकर्मियों के लिए सख्त आदेश जारी करते हुए विभागीय गरिमा के खिलाफ रील बनाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी है। यह मामला शनिवार को तब सामने आया, जब सगरा थाना प्रभारी अंकिता मिश्रा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में वह थाने के अंदर कुर्सी पर बैठी हुई, 1999 में आई फिल्म 'आरजू' के गाने 'अब तेरे दिल में हम आ गए' पर एक्टिंग करती नजर आ रही हैं। वर्दी में न होकर सिविल ड्रेस में बनाई गई इस रील के सामने आते ही पुलिस विभाग की कार्यशैली और अनुशासन पर सवाल उठने लगे।

कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारी जोरों पर, मूर्तियों की बढ़ी डिमांड

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में सावन महीने और कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों की जबरदस्त मांग देखी जा रही है। खास बात यह है कि इन मूर्तियों को तैयार करने वाले मुस्लिम कारीगर हैं। अलीगढ़ की पहचान पहले से ही 'ताले और तालीम' के लिए रही है, लेकिन धीरे-धीरे शहर मूर्तियों के निर्माण का भी एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। स्थानीय मूर्ति कारोबारी राजा गुप्ता ने कहा कि उनका परिवार 1957 से पीतल की मूर्तियां बनाने का काम कर रहा है। वो मूर्तियों का निर्माण ही नहीं, बल्कि उन्हें देश-विदेश में एक्सपोर्ट भी करते हैं। सावन महीने के आगमन के साथ ही भगवान शिव, शिवलिंग और शिव परिवार (शिव-पार्वती, गणेश, कार्तिकेय आदि) की मूर्तियों की मांग में भारी इजाफा हुआ है। राजा गुप्ता के अनुसार, देशभर से मूर्तियों के ऑर्डर मिल रहे हैं।

रेलवे ट्रैक पार कर रही स्कूल वैन को ट्रेन ने मारी टक्कर 3 छात्रों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में चेम्मन कुप्पम के पास सुबह एक दुखद दुर्घटना हुई, जब एक ट्रेन ने रेलवे क्रॉसिंग पर एक स्कूल वैन को टक्कर मार दी। शुरुआती रिपोर्ट में तीन बच्चों की मौत और स्कूल वैन चालक समेत 10 के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। यह घटना उस समय हुई जब स्कूल वैन चेम्मन कुप्पम के पास रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश कर रही थी। चिदंबरम जाने वाली एक यात्री ट्रेन वैन से टकरा गई ।जो लगभग 50 मीटर तक उसे घसीटते हुए ले गई। टक्कर के कारण वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीन बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

मोदी को अब तक विदेश में मिले 27 अवॉर्ड

पीएम मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया

विंडहोक/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों के विदेश दौरे पर हैं. वह अंतिम पड़ाव में नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत हुआ. पीएम मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एंशिएंट वेल्वित्शिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया. यह अवॉर्ड 1990 में नामीबिया की स्वतंत्रता के तुरंत बाद 1995 में स्थापित किया गया था, ताकि विशिष्ट सेवा और नेतृत्व को मान्यता दी जा सके. नामीबिया में पाए जाने वाले एक अनोखे और प्राचीन रेगिस्तानी पौधे वेल्वित्शिया मिराबिलिस के नाम पर यह पुरस्कार नामीबियाई लोगों के लचीलेपन, दीर्घायु और स्थायी भावना का प्रतीक है. यह प्रधानमंत्री मोदी का 27वां और इस दौरे का चौथा अवॉर्ड है. नामीबिया के सर्वोच्च सम्मान से पहले पीएम मोदी को विंडहोक में 21 तोपों की सलामी दी गई थी. विंडहोक स्थित होसे कुटाको इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का भव्य पारंपरिक स्वागत किया गया, जहां नामीबिया की इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन मिनिस्टर सेल्मा अशीपाला-मुसावी ने उनका वेलकम किया. यह प्रधानमंत्री मोदी की नामीबिया की पहली यात्रा है और पिछले 27 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह तीसरी यात्रा है। पीएम मोदी ने देश के संस्थापक और

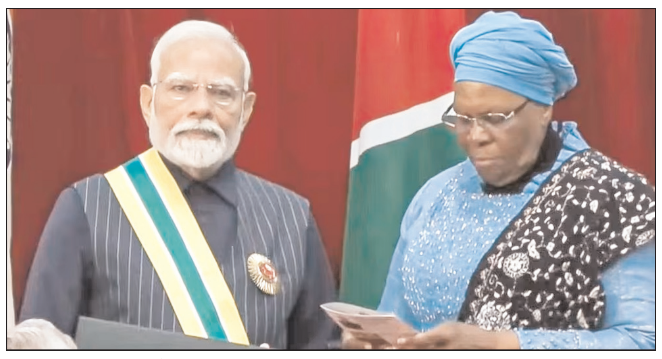

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सैम नुजोमा को भी श्रद्धांजलि अर्पित की. एक दिन पहले पीएम मोदी को ब्राजील में भी सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया था. ब्राजील ने मंगलवार को पीएम मोदी को देश की राजकीय यात्रा के दौरान अपने सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया था. इससे पहले त्रिनिदाद और टोबैगो ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से सम्मानित किया था. पीएम मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो के 'ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफत्रिनिदाद एंड टोबैगो' से सम्मानित होने वाले पहले विदेशी नेता बन गए। घाना में उन्हें 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' सम्मान से सम्मानित किया गया था. सम्मानित किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'इस सम्मान से सम्मानित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है। मैं राष्ट्रपति, नामीबिया सरकार और नामीबिया की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से विनम्रतापूर्वक यह सम्मान स्वीकार करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'यह भारत और नामीबिया की मित्रता का साक्षी है। आज इससे जुड़कर मुझे अत्यंत गर्व महसूस हो रहा है।

नामीबिया पहुंचते ही खुद ढोल बजाने लगे मोदी डांस-म्युजिक के साथ हुआ जोरदार स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में नामीबिया में ढोलक को जबरदस्त थाप देते नजर आए। नामाबिया पहुंचे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पारंपरिक तरीके से जोरदार स्वागत हुआ। नामाबिया संस्कृति इस दौरान तस्वीरों में साफझलक रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पारंपरिक डांस का हिस्सा लेते हुए ढोलकी बजाई। पीएम मोदी की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर शेयर हो रही है। पारंपरिक डांस के साथ पीएम मोदी के भव्य स्वागत की तस्वीर बता रही है कि 27 साल के बाद जब भारत के प्रधानमंत्री जब पहली बार नामीबिया पहुंचे तो स्वागत कितनी जोरदार है। प्रधानमंत्री भी खुद को रोक नहीं पाए और वो खुद नामीबिया पारंपरिक ढोलक भी बजा दिया। नामीबिया के राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करने वाले हैं। खास बात ये है कि प्रधानमंत्री मोदी की ये पहली और भारत के किसी प्रधानमंत्री की नामीबिया की तीसरी यात्रा है।

सुशील कुमार को मिली जमानत

रेलवे ड्यूटी पर भी लौटा यह ओलंपिक विजेता पहलवान...

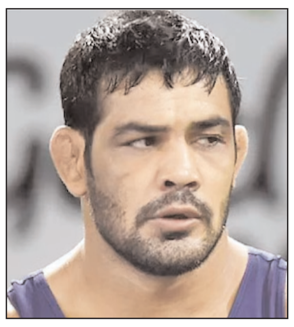

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार ने हत्या के एक हाईप्रोफाइल मामले में जमानत मिलने के बाद आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे के साथ अपनी ड्यूटी फिर से शुरू कर दी है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, सुशील, जिन्हें कभी भारतीय कुश्ती के चेहरे के रूप में जाना जाता था, उन्होंने इस हफ्ते की शुरुआत में रेलवे कार्यालय को रिपोर्ट किया। सुशील साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में 2021 से न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में मुकदमे की प्रक्रिया में देरी का हवाला देते हुए उन्हें जमानत दे दी थी, जबकि जांच अभी भी जारी है और उनकी कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। जमानत ने उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में पुनः लौटने की अनुमति दी है। रेलवे सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि वर्तमान

यह घटना मानवता को शर्मसार कर देने वाली है

पोस्टमार्टम के लिए कचरा वाहन से ले जाया गया महिला का शव, जांच अधिकारी सस्पेंड

कोरबा। कोरबा में एक महिला की मौत के बाद शव को कचरा ढोने वाली गाड़ी में रखकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाने की घटना सामने आई है। यह घटना मानवता को शर्मसार कर देने वाली है और प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है। बांकिमोंगरा थाना क्षेत्र में एक महिला की अधजली लाश मिली थी, जिसकी पहचान गीता श्री विश्वास के रूप में की गई। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी की व्यवस्था नहीं की गई, जिसके कारण नगर पालिका की कचरा ढोने वाली गाड़ी में शव को रखकर अस्पताल ले जाया गया।प्रशासन की लापरवाही के कारण शव को कचरा गाड़ी में ले जाना पड़ा, जो एक बड़ी विडंबना है। जिले के सभी जिम्मेदारों को इस घटना पर संज्ञान लेते हुए ध्यान देने की जरूरत है ताकि ऐसी घटना जिले में फिर ना हो इस घटना की जांच की जानी चाहिए और

दोषियों के खिलाफकार्रवाई की जानी चाहिए। शव को ले जाने के लिए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि ऐसी घटना फिर ना हो। बताया जा रहा है कि कल बाकी मोगरा के सोमवारी बाजार के पास कालोनी में अर्धनग्न लाश मिली थी जहा जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड को भी बुलाया गया था शव की पहचान करवाई के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया रहा था तब इस तरह की घटना सामने आई। बांकी मोंगरा थाना पुलिस ने बताया कि लाश मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंचे जहां उसकी पहचान एसईसीएल कॉलोनी निवासी 65 वर्षीय गीता श्री विश्वास पति स्वर्गीय अहिन्दर विश्वास जो घर में अकेली थी पुलिस जांच में पता चला है कि महिला ने सुसाइड करने की कोशिश की है आगे की जांच की जा रही है। इस मामले में कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि वीडियो के आधार पर बहुत गंभीरता से मामले को लिया गया है। वही जांच अधिकारी सस्पेंड कर दिया गया है और कौन-कौन दोषी है इस पर आगे की जांच की जा रही है।

शिवनाथ नदी के बढ़ते जलस्तर ने लोगों की बढ़ाई मुसीबत

- बारिश से दुर्ग-भिलाई तरबतर, घरों में घुसा पानी, प्रमुख सड़कें रही लबालब, निगम की तैयारियों की खुली पोल
- शहरी क्षेत्र में बारिश से निपटने आधी अधूरी तैयारी और अतिक्रमण बना जलभराव का कारण

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी उफान पर आ गया है, वहीं नालों व तालाबों में जल स्तर बढ़ गया है। शिवनाथ नदी में यह स्थिति मोंगरा बैराज से पिछले तीन दिनों से छोड़े जा रहे पानी और दुर्ग जिले में मंगलवार की शाम से बुधवार की सुबह तक हुए झमाझम बारिश की वजह से निर्मित हुई है। जिसकी वजह से शिवनाथ नदी के तटवर्ती इलाकों के रहवासियों के लिए पानी आफत बन गई है। ग्राम थनौद में कछारनाला में अचानक पानी का प्रवाह तेज होने से बाढ़ में फंसे भारतमाला हाईवे प्रोजेक्ट के 32 मजदूरों को एसडीआरएफकी टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाल कर सुरिक्षत स्थानों पर शरण दिलाई गई। इसके अलावा अन्य गांवो के ग्रामीणों को जल्द गांव छोड़कर सुरिक्षत स्थानों पर जाने मुनियादी करवाई गई है। बुधवार की सुबह मोंगरा बैराज से 15 हजार क्यूसेक पानी और छोड़े जाने से शिवनाथ नदी का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिसकी वजह से शिवनाथ नदी ने महमरा एनीकेट को अपने आगोश में ले लिया है। दोपहर की स्थिति तक महमरा एनीकेट के उपर से करीब 7 फीट पानी चल रहा था, वहीं दुर्ग-राजनांदगांव मार्ग पर स्थित शिवनाथ नदी का पुराना पुल डूबने से 2 फीट नीचे रह गया है। पुलगांव नाला का जल स्तर भी बढ़ गया है। इधर दुर्ग-भिलाई में मंगलवार की शाम से बुधवार की सुबह तक हुए झमाझम बारिश से ट्वीनसिटी तरबतर हो गई। दुर्ग शहर के शंकरनगर,वार्ड क्रमांक-11,कोष्ठा तालाब के सामने गयानगर, ठाकुर पान ठेला के पीछे पुलगांव बस्ती, पुलगांव नाला के आसपास, रिलायंस पेट्रोल पंप पुलगांव नाका, सिकोलाभाठा, महिला समृद्धि बाजार सिविल लाईन, साई मंदिर के पास कसारीडीह, जल परिसर, मालवीय नगर, पटेल चौक, जिला पंचायत भवन के सामने, धनोरा-
हनोदा चौक स्थित बजरंग स्टील के पीछे रहवासी क्षेत्र के अलावा अन्य निचली बस्तियों में जलभराव की स्थिति की वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। शंकरनगर वार्ड क्रमांक-11 के कुछ घरों में पानी घुसने की शिकायतें सामने आई। जिससे रहवासी परेशान रहे, वहीं बारिश से भिलाई शहर का भी हाल बेहाल रहा। सेक्टर-06 के अलावा अन्य टाऊनशिप इलाकों व पटरीपार क्षेत्र में पानी लोगों के लिए मुसीबत बनी रही है। कई सेक्टरों के घरों में पानी घुसने की खबर है। लोग घरों में घुस आए पानी को बाहर निकालने मशक्कत करते नजर आए। जिले में मंगलवार की शाम से बुधवार की सुबह तक 77 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा अहिवारा में 103 मिलीमीटर दर्ज की गई है। राहत की बात यह रही कि बुधवार की सुबह झमाझम बारिश थम गई। अगर यह बारिश 5-6 घंटे और होती, तो दुर्ग-भिलाई की दुर्दशा और बिगड़ सकती थी। इन सबके बीच दुर्ग-भिलाई में एक रात की जमकर बारिश ने दुर्ग-भिलाई नगर निगमों की बारिश पूर्व सुरक्षा उपायों की तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है। दुर्ग नगर निगम ने तो हदें पार कर दी है। बारिश की वजह से इंटकवेल में जलकुंभियां फंसने से पिछले दो दिनों से पेयजल व्यवस्था बाधित हो रही है। दुर्ग नगर निगम की टीम बुधवार को पुलगांव नाला से जलकुंभियां निकालते नजर आई। अगर बारिश पूर्व नगर निगम द्वारा नाले से जलकुंभियां साफ कर ली जाती,तो ऐन बारिश में लोगों को पेयजल संकट का सामना नहीं करना पड़ता। जानकार शहरी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति के लिए निगम की आधी अधुरी साफ-सफाई की तैयारी और शहर में कुकुरमुत्ते की तरह फैले अतिक्रमण को मान रहे है। अतिक्रमण पर सख्ती से कार्यवाही नहीं होने की वजह से पानी का निकासी नहीं पो पाया, जो शहरी क्षेत्र के कई वार्डों, मुख्य मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर जलभराव का बड़ा कारण बना है। जिसकी वजह से रहवासियों के लिए यह झमाझम बारिश आफत के साथ परेशानियों का सबब बनी रही।बहरहाल शिवनाथ नदी का बढ़ता जलस्तर तटवर्ती इलाकों के लोगों के लिए आफत बनी रही, लेकिन यही शिवनाथ लोगों के लिए सैर-सपाटे का कारण भी बना। शिवनाथ के बढ़ते जल स्तर का लुत्फ उठाने यहां लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। लोग सेल्फी लेते भी नजर आए।

वडोदरा में बड़ा हादसा

महिसागर नदी पर बने पुल का एक हिस्सा गिरा, नौ लोगों की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

गुजरात के वडोदरा जिले के पादरा तालुका में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले एक पुल का हिस्सा ढह गया। पुल के टूटते ही कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए। बताया जा रहा है कि इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि नौ लोगों को बचा लिया गया है। इस घटना पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दुख जताया और घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने हादसे के शिकार हुए लोगों के लिए मुआवजे का भी एलान किया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह आणंद और पादरा को जोड़ने वाले पुल का एक हिस्सा महिसागर नदी में गिर गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दो ट्रक, एक बोलेरो एसयूवी और एक पिकअप वैन सहित चार वाहन पुल पार कर रहे थे, तभी अचानक यह ढह गया और कई वाहन महिसागर नदी में गिर गए। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहनों के नदी में गिरने से पहले तेज आवाज सुनाई दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस और वडोदरा जिला प्रशासन ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने भी घायलों को मलबे से निकालने में मदद की। अब तक तीन लोगों को बचाया गया और उन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती किया गया है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने पुल हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ने वाले पुल पर हुए दुखद हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। नौ अन्य को बचा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक उच्च स्तरीय समिति को घटनास्थल पर भेजकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। वहीं वडोदरा पुल हादसे पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया है। उन्होंने कहा, गुजरात में हुआ ये हादसा बेहद दुखद और पीड़ादायक है। लेकिन इस समय एक अहम सवाल भी पूछना जरूरी है। पिछले 30 वर्षों से गुजरात की सत्ता में बैठी क्ख्छ्क्क्या ये बताएगी कि बार-बार ऐसे घटिया और जानलेवा पुल गुजरात में कैसे बन रहे हैं, जो भरभराकर गिर जाते हैं? एक स्थानीय निवासी ने कहा, ये पुल न केवल ट्रैफिक दुर्घटनाओं के हिसाब से खतरनाक है, बल्कि यहां आत्महत्या की कई घटनाएं भी हो चुकी हैं। इसकी स्थिति के बारे में बार-बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। बता दें कि यह पुल 1985 में बनाया गया था। गुजरात सरकार ने हाल ही में 212 करोड़ रुपए की लागत से एक नए पुल को बनाने की मंजूरी दी थी। फिलहाल मुख्यमंत्री ने तकनीकी विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजकर जांच का आदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

जरवाय में 11 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का होगा आयोजन

रानीतराई (समय दर्शन)। सर्वोदय मंडल जरवाय के तत्वाधान में गुरु पूर्णिमा 11जुलाई शुक्रवार को पुराना बाजार चौक में आयोजित किया गया है।जिसमें कबीर सत्संग संत विजय साहेब(सेंचुआ),साध्वी समता साहेब(नवागांव) की अमृतवाणी एवं विष्णु साहू औरी की गीत संगीत एवं भजन मंडली की प्रस्तुति होगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग,यशवंत साहू सरपंच,रविशंकर पाटिल उपसरपंच एवं पंचगण,गरीब दास साहू संरक्षक जिला सर्वोदय,बीरेंद्र साहू अध्यक्ष जिला सर्वोदय,भोलाराम साहू,तुलाराम साहू,किशोर साहू अतिथि शामिल होंगे। उक्त जानकारी उदय साहू,पवन साहू,रिखी पटेल स्थानीय सर्वोदय मंडल ने दी और सत्संग प्रेमीजनों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में दिनांक 9 जुलाई 2025 को एक पेड़ मां के नाम-मिशन फॉर लाइफ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में तहसीलदार डोंगरगढ़ नीलकंठ जनबंधु, तहसीलदार भिलाई सोनित कुमार मेरिया, पटवारी भोलेश्वर साहू बढ़ियाटोला एवं प्राचार्य संजय कुमार मंडल की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभारी सुनील कुमार वर्मा (टीजीटी विज्ञान), शिक्षक दीपचंद चौरसिया (सामाजिक विज्ञान), खेल शिक्षक अनिल कुमार पाल, अशोक कुमार बिसेन और रामकुमार चंद्र के मार्गदर्शन में वृक्षारोपण कार्य संपन्न हुआ। सभी उपस्थितजनों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान देने का संकल्प लिया। प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने कहा कि प्रदूषण आज की सबसे गंभीर समस्या है और वृक्षारोपण ही इसका प्रभावी समाधान है। वृक्ष न केवल वायुमंडल को शुद्ध करते हैं बल्कि धरती को हरा-भरा बनाकर जीवन को संजीवनी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण पर विचार व्यक्त किए और समाज को हरित क्रांति के लिए प्रेरित किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही।

सुशांत मति माताजी एवं तथामति माताजी का आज होगा मंगल प्रवेश

राजनांदगांव (समय दर्शन)। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुवार प्रात: दिगंबर जैन समाज के लिए एक अत्यंत शुभ घड़ी आने वाली है। समाधि सम्राट आचार्य विद्यासागर महाराज की कृपा से आचार्य समय सागर महाराज की शिष्याएं सुशांत मति माताजी एवं तथामति माताजी का मंगल चातुर्मास हेतु आज प्रात: 6.30 बजे शहर में प्रवेश होगा। यह जानकारी दिगंबर जैन पंचायत के सचिव सूर्यकांत जैन ने दी। उन्होंने बताया कि माताजियों का मंगल प्रवेश जनता कॉलोनी, लखोली के सामने से आरंभ होगा। इसके उपरांत माताजियों का स्वागत दिगंबर जैन मंदिर में किया जाएगा, जहां मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा माताजी के मुखारविंद से संपन्न होगा। विशेष रूप से गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य भगवन विद्यासागर महाराज की पूजन अष्टद्रव्य से की जाएगी। इसके पश्चात माताजियों की मंगल देशना का लाभ समाज को मिलेगा। प्रात: 9 बजे प्रवचन के उपरांत आहार चर्या की विधि होगी। इस चातुर्मास के दौरान आने वाले चार माह तक जैन समाज को धर्म चर्चा, अनुष्ठान और प्रेरणास्पद देशनाएं सुनने का लाभ मिलेगा। इस पावन चातुर्मास के संयोजन हेतु दिगंबर जैन पंचायत अध्यक्ष अशोक झंझरी, चातुर्मास समिति अध्यक्ष अखिलेश जैन एवं उनकी पूरी समिति द्वारा समस्त साधर्मी बंधुओं एवं अहिंसा मार्ग को मानने वाले सभी धर्मानुरागियों से कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होने की सविनय अपील की गई है। राजनांदगांव जैन समाज के लिए यह अवसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर रहेगा और समाज को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देगा।

मछली पालन से जुड़ी समस्याओं, योजनाओं एवं लाभों के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक आयोजित

मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष मटियारा ने दो मत्स्य पालकों को प्रदान किया आईस बॉक्स

मुंगेली (समय दर्शन) छत्तीसगढ़ शासन मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा ने मछली पालन से जुड़ी समस्याओं, योजनाओं एवं लाभों के क्रियान्वयन के संबंध में मछुआ समुदाय के उत्थान एवं लाभ के लिए जिला पंचायत के सभाकक्ष में बैठक ली। अध्यक्ष मटियारा ने कहा कि राज्य सरकार मछुआ समुदाय की उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मछुआ सहयोगी समितियों, किसानों एवं संबंधित विभागों को योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्राथमिकता से पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान विकासखंड पथरिया में मछुआ सहकारी समिति अमलडीहा द्वारा तालाबों के आबंटन नहीं होने की समस्या पर विस्तार से चर्चा हुई।

अध्यक्ष मटियारा ने मछुआ परिवारों की आजीविका सुनिश्चित करने मछुआ नीति के अनुसार तालाबों का शीघ्र पट्टा वितरण कर मत्स्य पालन शुरू करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के साधन बढ़ाने हेतु फुटकर मछली पालन योजना के अंतर्गत 02 मत्स्य पालकों को आईस बॉक्स प्रदान किया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देवचरण भास्कर, जनपद पंचायत अध्यक्ष मुंगेली रामकमल सिंह परिहार, गणमान्य नागरिक मोहन मल्लाह, पवन पाण्डेय, दिलेश्वर राज साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मत्स्य पालन विभाग के सहायक संचालक आलोक श्रीवास्तव, भूपेन्द्र चौरिया, एस.आर.अहिरवार, सहायक मत्स्य अधिकारी पूजा साहू, सुभाष बंजारे और मत्स्य कृषक मौजूद रहे।

NSUI ने सहायक यंत्री को सौंपा ज्ञापन

सारंगढ़ (समय दर्शन)। बिजली विभाग के अधूरे कार्य से ग्रामीण परेशान लगातार कार्य पूर्व कराने की मांग करते थक चुके लेकिन आज प्रयत्न तक कार्य पूरा नहीं किया गया अब ग्रामीणों और ठ्ठ्ह्ल्ह्व की टीम सहायक यंत्री के दफ्तर पहुंचकर 7 दिवस में कार्य पूर्व कराने की चेतवानी दी है दरसल ग्राम पंचायत सुवाताल में लगभग 6 माह से अतिरिक्त ट्रांसफार्मर हेतु विद्युत पोल गाड़े जा चुके है किंतु अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया है जिससे गांव में लॉ वोल्टेज और लोड से बिजली गुल होने की समस्या लगातार बनी हुई हैं लेकिन विभाग गहरी निद्रा में सोया हुआ है ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए ठ्ठ्ह्ल्ह्व के ब्लॉक अध्यक्ष सागर दिवान और उनकी टीम ने बिजली की इस संबंध में सहायक यंत्री को ज्ञापन देते साथ अगर 7 दिवस के भीतर ट्रांसफॉर्म नहीं लगाया जाता है तो सहायक यंत्री कोतरी के कार्यालय में सामने धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी

उक्त ज्ञापन में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र वारे प्रकाश रात्रे विधानसभा महासचिव एनएसयूआई,कमलेश रात्रे,दीपक साहू,जयंत रात्रे, राजेंद्र रात्रे,शंकर,नवधा कोसले एवं साथीगण उपस्थित रहे!

धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान : अमाली और दरगहन में लगा संतृप्तिकरण शिविर

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। / धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत विकासखंड नगरी के ग्राम अमाली एवं विकासखंड धमतरी के ग्राम पंचायत दरगहन में जनकल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देना एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाना रहा। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इनमें आयुष्मान कार्ड पंजीयन: 07, श्रम कार्ड पंजीयन: 07, राशन कार्ड पंजीयन: 01, सिकल सेल स्क्रीनिंग: 16, किसान क्रेडिट कार्ड पंजीयन: 01 हितग्राही को लाभान्वित किया गया।

शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे और योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने शिविर में भाग लेकर योजनाओं के प्रति जागरूकता दिखाई एवं पंजीयन कराकर लाभ प्राप्त किया। यह अभियान ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने में एक सार्थक पहल साबित हो रहा है।

चकरभाठा के सहायक शिक्षक पंचायत रितेश अग्रवाल सेवा से बर्खास्त

लगातार अनुपस्थिति पर जिला पंचायत सीईओ ने की कार्रवाई

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने विकासखंड मुंगेली के शासकीय प्राथमिक शाला चकरभाठा में पदस्थ सहायक शिक्षक पंचायत रितेश अग्रवाल को लंबे समय तक बिना सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण सेवा से बर्खास्त किया है। यह निर्णय सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में विभागीय जांच रिपोर्ट और गवाही के आधार पर लिया गया। अग्रवाल 13 सितंबर 2013 से लगातार अनियमित रूप से अनुपस्थित पाए गए। उनके खिलाफ जनपद पंचायत मुंगेली द्वारा विभागीय जांच कराई गई, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि वह नियुक्ति के बाद से ही समय-समय पर अनुपस्थित रहते थे। तीन बार सुनवाई के अवसर दिए जाने के बावजूद वे संतोषजनक उत्तर और उपस्थिति दर्ज नहीं करा सके।

बीईओ और बीआरसी समन्वयक द्वारा प्रस्तुत गवाहियों और विद्यालय की उपस्थिति पंजिका से यह पुष्टि हुई कि रितेश अग्रवाल छात्रों की पढ़ाई से लगातार दूरी बनाए हुए थे, जिससे विद्यालय का शैक्षणिक माहौल प्रभावित हुआ और विद्यार्थियों की शैक्षणिक कार्य प्रभावित हुआ। उक्त प्रकरण में छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम 1999 के तहत कार्रवाई करते हुए सामान्य प्रशासन समिति की अनुशंसा पर रितेश अग्रवाल को सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की गई है।

जहां प्यास थी वर्षों पुरानी, वहां अब मिल रहा स्वच्छ पानी

अचानकमार के सुदूर वनांचल में कलेक्टर-एस.पी. ने खुद पिया बोर का पानी

मुंगेली (समय दर्शन) अचानकमार के दूरस्थ वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों के लिए अब स्वच्छ पेयजल सपना नहीं रहा। जिला प्रशासन की पहल से जल जीवन मिशन अंतर्गत इन दुर्गम इलाकों में बोर खनन कर स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जल की यह उपलब्धता केवल संसाधन नहीं, बल्कि इन गांवों के जीवन में उम्मीद और बदलाव का प्रतीक बन चुकी है।

स्वयं जिला कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल अचानकमार क्षेत्र के एक सुदूर गांव बम्हनी पहुंचे और वहां बोरिंग से निकल रहे पानी को पिया। दोनों अधिकारियों ने पानी पीकर न केवल इसकी गुणवत्ता को परखा, बल्कि ग्रामीणों की प्यास बुझाने की इस कोशिश में अपनी सहभागिता भी दर्शाई। यह दृश्य न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि विकास की रोशनी अब वनों की गहराइयों तक पहुंच रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि पहले उन्हें कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता था, पर अब गांव में ही शुद्ध पानी मिल रहा है। इससे उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। प्रशासन की यह पहल न केवल बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शासन अब दूरस्थ अंचलों में गांव-गरीब की मूलभूत जरूरतों को प्राथमिकता दे रहा है।

कलेक्टर ने शिवनाथ नदी सहित बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र का किया दौरा

इंटकवेल में जलकुंभी व कचरा निकालने एनडीआरएफटीम सफाई में जुटी

दुर्ग (समय दर्शन)। लगातार हो रही भारी बारिश और मोगरा बैराज से छोड़े गए पानी के चलते शहर में जल आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने शिवनाथ नदी किनारे स्थित 24 व 42 एमएलडी इंटकवेल का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर श्रीमती अल्का बाघमार, संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम ध्रुव, नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल सहित तहसीलदार श्री प्रफुल्ल गुप्ता उपस्थित रहें।

निरीक्षण के दौरान पुलगांव नाले से बहकर आ रही जलकुंभी, झिल्ली व पन्नी इंटकवेल में गहराई तक फंस गई है, जिससे पाइपलाइनें जाम हो रही हैं और जल आपूर्ति बाधित हो रही है। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देश पर एनडीआरएफ की गोताखोर टीम को तैनात किया गया, जो इंटकवेल में उतरकर गहराई तक सफाई कार्य कर रही है। इसके बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह और महापौर अल्का बाघमार ने पुलगांव बस्ती, महावीर कॉलोनी और खंडेलवाल कॉलोनी जैसे बाढ़ प्रभावित इलाकों का भी निरीक्षण किया और प्रभावित नागरिकों से चर्चा कर स्थिति का जायजा लिया। शहर में बीते चार दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण शिवनाथ नदी और पुलगांव नाला उफान पर हैं, जिससे नगर निगम क्षेत्र में जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इंटकवेल में जलकुंभी और कचरा हर वर्ष वर्षा ऋतु में गंभीर समस्या बन जाता है, जिससे निपटने के लिए इस बार विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। निरीक्षण के उपरांत कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई जिसमें महापौर, निगम आयुक्त, जलगृह प्रभारी सहित सिंचाई विभाग व नगर निगम के अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्थायी समाधान हेतु कार्ययोजना तैयार कर अमल में लाने के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने बाढ़ नियंत्रण के लिये टीम गठित की, -24 घंटे अमला रहेगा तैनात, कंट्रोल रूम रहेंगे अधिकारी/कर्मचारी

दुर्ग (समय दर्शन)। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये निगम अधिकारियो एवं कर्मचारियों को विभिन्न दायित्व सौंपा है। आयुक्त ने उक्त नियंत्रण कार्य के लिये दो शिफ्ट में ड्यूटी लगायी है और निगम का अमला अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये 24 घंटे रोकथाम के उपाय,पानी भराव को रोकने सहित प्रभावितो के आवास की व्यवस्था का कार्य करेगा।आयुक्त श्री अग्रवाल ने बताया कि शहर में अतिवृष्टि एवं बाढ़ नियंत्रण के लिये दिनेश नेताम,कार्यपालन अभियंता, गोवाईल नम्बर-9993321120, को नाडल अधिकारी नियुक्त किया है। बता दे कि समय प्रात: 8:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक..कंट्रोल रूम प्रभारी -करण यादव - 9770946930,हरिशंकर साहू- 7773007174,अपर्णा मिश्रा- 9074225253,पंकज साहू- 9691030600,प्रेरणा दुबे- 9630541539,उमयंती ठाकुर- 8103967854,विनोद मांझी- 9589081099 रहेंगे।

समय रात्रि 8:00 बजे से प्रात: 8:00 बजे तक , कंट्रोल रूम प्रभारी -सुरेश केवलानी- 9425675465, राजेंद्र ढबाले -7999828273, व्ही. पी. मिश्रा -7987641410, संजय ठाकुर,9340401946,मोहित मरकाम - 9685373777,गिरीश दीवान -7746015450,विकास दमाहे - 6263493218 रहेंगे। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी अधिकारी/कर्मचारी 24 घण्टे अपना मोबाईल चालू रखने की सख्त हिदायत दी गई।सफाई जोन प्रभारी अपने प्रभार क्षेत्र के सफाई कर्मचारी सहित दोनों पाली में तैनात रहेंगे।स्वास्थ्य अधिकारी धमेन्द्र मिश्रा,बाढ़ की स्थिति में वैकल्पिक स्थान में ठहराने एवं भोजन की व्यवस्था करेंगे कार्यपालन अभियंता आर.के.जैन। सच लाइट, बास- बल्ली एवं अन्य सामग्री की व्यवस्था। अनिल सिंह, प्र. उद्यान निरीक्षक, आवश्यकता होने पर वाहन व्यवस्था हेतु-कर्मशाला अधीक्षक सोएब अहमद करेंगे।

महंगाई भत्ता बढ़ोतरी पर भी हो सकता है निर्णय

साय कैबिनेट की बैठक 11 को: किसानों-कर्मचारियों के लिए आ सकते हैं बड़े फैसले

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 11 जुलाई (शुक्रवार) को सुबह 11:30 बजे मंत्रालय में कैबिनेट बैठक बुलाई है। इस बैठक को लेकर सरकारी गलियारों में हलचल तेज है, क्योंकि मानसून की शुरुआत और खेती-किसानी के सीजन के मद्देनज़र यह बैठक अहम मानी जा रही है।

महंगाई भत्ता बढ़ोतरी पर भी हो सकता है निर्णय

राज्य के सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) में संभावित बढ़ोतरी को लेकर भी बैठक में फैसला लिया जा सकता है। फिलहाल छत्तीसगढ़ के कर्मचारी 53% डीए पा रहे हैं, जो केंद्र सरकार से 2% कम है। यदि कैबिनेट इस पर मुहर लगाती है, तो कर्मचारियों को 55% डीए मिलना शुरू हो सकता है।

मार्च में हुई थी पिछली बढ़ोतरी

मार्च 2025 में राज्य सरकार ने सातवें वेतनमान में कार्यरत कर्मचारियों का डीए 3% बढ़ाकर 53% किया था, जबकि छठवें वेतनमान के कर्मचारियों को 7% की दर से डीए दिया जा रहा है। अब जुलाई में संभावित वृद्धि को लेकर कर्मचारी एक बार फिर उम्मीद लगाए बैठे हैं।

किसानों के लिए राहत पैकेज या खाद वितरण पर बड़ा फैसला संभव

राज्य में धान की बोवाई और खरीफ सीजन का काम तेजी से शुरू हो चुका है, लेकिन कई जिलों से खाद की कमी और वितरण में गड़बड़ियों की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे में संभावना है कि साय सरकार इस बैठक में खाद वितरण को लेकर कोई सख्त नीति या आपात राहत योजना का ऐलान कर सकती है।

बैठक में इन बिंदुओं पर हो सकता है मंथन:

खाद और बीज वितरण व्यवस्था की समीक्षा खरीफ सीजन के लिए समर्थन मूल्य और कृषि योजनाएं

सरकारी कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी

नई भर्ती नीति और रिक्त पदों पर भर्ती पर निर्णय

जल संरक्षण और बाढ़ प्रबंधन पर कार्ययोजना

साय सरकार की यह कैबिनेट बैठक खरीफमौसम और सरकारी कर्मचारियों ङ्क दोनों वर्गों के लिए अहम मानी जा रही है। फैसला जो भी हो, इस बैठक से जुड़ी घोषणाएं राज्य की राजनीति और प्रशासनिक दिशा तय कर सकती हैं।

रावतपुरा सरकार विवि में फर्जी कोर्स- NSUI ने पैरामेडिकल काउंसिल को सौंपा ज्ञापन

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ NSUI ने रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में चल रहे कथित फर्जी पैरामेडिकल कोर्सेस के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल के रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा और प्रतीक रूप में श्रीफल भेंट किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय द्वारा BMLT, DMLT, डायलिसिस और ऑप्टोमेट्री कोर्स बिना मान्यता के संचालित करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की।

मान्यता का झांसा देकर हजारों छात्रों को किया गया गुमराह: एनएसयूआई

रायपुर जिला एनएसयूआई अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने बताया कि रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय 2019 से इन चारों कोर्स को अवैध रूप से चला रहा है। अब तक करीब 1000 छात्र-छात्राएं बिना रजिस्ट्रेशन के पढ़ाई कर चुके हैं, जिन्हें डिग्री और भविष्य दोनों अधर में लटकता नजर आ रहा है।

गोस्वामी ने कहा छात्रों को छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता का झूठा भरोसा देकर एडमिशन दिलवाया गया, जबकि परिषद ने कभी इन कोर्सेस को अनुमति नहीं दी। यह छात्रों के भविष्य से खुला खिलवाड़ है।

एनएसयूआई ने चेताया : नहीं हुई कार्रवाई तो होगा कलेक्ट्रेट घेराव

ज्ञापन सौंपते हुए एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो कलेक्ट्रेट घेराव और उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल की होगी।

इस विरोध कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव निखिल वंजारी, जिला उपाध्यक्ष शिवांक सिंह, प्रशांत चंद्राकर, संयम सिंह, वैभव मुजेवार, आशीष तिवारी, दिव्यांश श्रीवास्तव, भूपेन्द्र साहू, रिजवान खान, रजत ठाकुर, जोंटी गिल, जुबैर, वीरेंद्र समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनएसयूआई की मांग है कि पैरामेडिकल काउंसिल रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय पर तुरंत संज्ञान ले और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए ठोस कदम उठाए।

शराब तस्करी करने वाले गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। पुलिस ने अवैध शराब तस्करों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान 20 पेटी अंग्रेज़ी शराब के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी मध्यप्रदेश से तस्करी कर शराब ला रहे थे। दो लग्जरी गाड़ियों से परिवहन कर रहे थे। तभी सभी आरोपियों को चंदनिडीह ओवरब्रिज के पास पुलिस ने पकड़ा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों के पास से 5 मोबाइल फोन, दो गाड़ियाँ और 17 लाख का माल ज़ब्त किया गया है। मामले में रायपुर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और आमानाका पुलिस की संयुक्त कार्रवाई की है। इस दौरान आरोपी भावेश पांडेय, सुजीत तिवारी और दीपेश भंसाली 240 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ पकड़े गए हैं।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं सभी आरोपियों पर आमानाका थाना में आबकारी एक्ट के तहत दर्ज मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। ड्डत्र अमरेश मिश्रा और स्स्क्क डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर कार्रवाई हुई है।

इंदौर-रायपुर इंडिगो फ्लाइट की आपात लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

रायपुर। इंडिगो की इंदौर रायपुर नियमित विमान को इमरजेंसी लैंडिंग लेनी पड़ी। सुबह 6.30 बजे इंदौर से उड़ान भरने के बाद रायपुर के रास्ते आधे घंटे बाद विमान को वापस लौटना पड़ा। विमान में तकनीकी खराबी का अलार्म मिलने के बाद पायलट ने इंदौर में लैंडिंग का फैसला तत्काल किया। 7.30 बजे विमान सुरक्षित इंदौर में उतरा जहां उसकी तकनीकी जांच चल रही है।

विमान समेत सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि विमान से उतारे जाने के बाद यात्री काफी घबराए हुए थे।

करोड़ों की ठगी मामले में कोर्ट ने केके श्रीवास्तव को 14 दिन के लिए भेजा जेल

रायपुर (समय दर्शन)। बहुचर्चित स्मार्ट सिटी ठगी कांड में फंसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी केके श्रीवास्तव की 12 दिन की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद सोमवार को उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। तेलीबांधा थाना पुलिस ने उन्हें रायपुर सीजेएम कोर्ट में प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चौंकाने वाली बात यह रही कि पुलिस ने श्रीवास्तव की दोबारा रिमांड की मांग नहीं की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

500 करोड़ के प्रोजेक्ट के नाम पर 15 करोड़ की ठगी- श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्होंने खुद को प्रभावशाली बताते हुए दिल्ली की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी रावत एसोसिएट्स के मालिक अशोक रावत से स्मार्ट सिटी और नवा रायपुर प्रोजेक्ट में 500 करोड़ रुपये का ठेका दिलाने का झांसा देकर करीब 15 करोड़ रुपये की ठगी की। जब ठेका नहीं मिला, तो श्रीवास्तव ने पैसा लौटाने का वादा किया, लेकिन दिए गए तीनों चेक बाउंस हो गए। इसके बाद कंपनी ने कानूनी कार्रवाई शुरू की।

300 करोड़ का ट्रांजेक्शन, फर्जी कंपनियों और ईडब्ल्यूएस खातों का इस्तेमाल- जांच में पुलिस ने जब के.के. श्रीवास्तव और उनके बेटे कंचन श्रीवास्तव के बैंक खातों की जांच की, तो एक और बड़ा खुलासा हुआ। दोनों के खातों में करीब 300 करोड़ रुपये का संदिग्ध लेन-देन पाया गया। यह रकम फर्जी कंपनियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (श्वङ्खस्) के नाम पर खोले गए खातों के जरिये इधर-उधर की गई थी। मामला अब आयकर विभाग को सौंपा गया है और प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) की नजर भी इस पर बनी हुई है।

'तांत्रिक' प्रभाव से सत्ता के गलियारों तक पहुंच- के.के. श्रीवास्तव की पहचान सिर्फ एक कारोबारी या सामाजिक व्यक्ति के रूप में नहीं रही है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस सरकार के दौरान उनकी गहरी पैठ तंत्र-मंत्र और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से थी। जानकारी के अनुसार, उस समय के कई बड़े नेता बिलासपुर स्थित श्रीवास्तव के स्थान पर जाकर तांत्रिक क्रियाओं में भाग लिया करते थे। इतने बड़े लेन-देन और ठगी के आरोपों के बाद अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या आने वाले दिनों में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) और आयकर विभाग की तरफ से इस मामले में कोई बड़ी कार्रवाई देखने को मिलेगी? क्या इस मामले के तार और भी रसूखदार लोगों से जुड़ सकते हैं?

70 वर्षीय मरीज की जान बचाई गई

राज्य में पहली बार गले के नस की दुर्लभ सर्जरी, बुजुर्ग को मिली नई जिंदगी

रायपुर (समय दर्शन)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के हार्ट, चेस्ट और वैस्कुलर सर्जरी विभाग में एक दुर्लभ और जोखिमपूर्ण सर्जरी कर 70 वर्षीय मरीज की जान बचाई गई। मरीज के गले की नस कैरोटिड आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज था, जिसे कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी नामक जटिल सर्जरी से सफलतापूर्वक हटाया गया।

यह सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम द्वारा की गई। डॉ. साहू के अनुसार यह सर्जरी राज्य में इस प्रकार की प्रथम एवं अत्यंत दुर्लभ सर्जरी है।

मरीज को थी लकवे और दृष्टिदोष की शिकायत- बालाघाट निवासी 70 वर्षीय मरीज को पिछले दो वर्षों से बार-बार लकवा, चक्कर, एक आंख से धुंधला दिखना और सुनाई न देने जैसी समस्याएं हो रही थीं। प्रारंभिक जांच के बाद कैरोटिड सीटी एंजियोग्राफी कराई गई, जिसमें पता चला कि मरीज की दाहिनी कैरोटिड आर्टरी में 95% से अधिक रुकावट थी। इससे मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति बाधित हो रही थी।

सर्जरी थी बेहद जोखिमभरी- डॉ. के.के. साहू ने परिजनों को स्पष्ट किया कि इस सर्जरी में जान का खतरा हो सकता है, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान यदि कोई भी प्लाक का टुकड़ा या हवा का बुलबुला मस्तिष्क में चला जाता तो मरीज ब्रेन डेड हो सकता था। इसके बावजूद मरीज एवं परिजनों ने ऑपरेशन की सहमति दी।

सर्जरी के दौरान कैरोटिड शंट नामक विशेष उपकरण का प्रयोग किया गया ताकि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह लगातार बना रहे। ब्लॉकेज हटाने के बाद नस को बोवाइन पेरीकार्डियम पैच से मरम्मत कर पुनः सामान्य किया गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज अब स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने की स्थिति में है।

डॉ. साहू के मुताबिक, गले की नस के ब्लॉकेज खोलने की अन्य विधि कैरोटिड आर्टरी स्टेंटिंग है पर सर्जरी जिसको कैरोटिड एंडआर्टरेक्टॉमी कहा जाता है, वह सुरक्षित होता है।

क्या होती है कैरोटिड आर्टरी और क्यों होता है ब्लॉकेज?- कैरोटिड आर्टरी वह मुख्य धमनी होती है जो गले से होते हुए मस्तिष्क तक रक्त पहुंचाती है। इसमें रुकावट का मुख्य कारण होता है — धूम्रपान, तंबाकू सेवन, अनियंत्रित डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का जमा होना।

50% तक ब्लॉकेज होने पर आमतौर पर लक्षण स्पष्ट नहीं होते, परंतु 70-80% से अधिक ब्लॉकेज पर ट्रांजिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) या छोटे स्ट्रोक जैसे लक्षण सामने आते हैं — जैसे अचानक एक आंख से दिखना बंद होना, मुंह टेढ़ा होना, बोलने में दिक्कत या संतुलन बिगड़ना।

बचाव के उपाय- इस बीमारी को रोका जा सकता है — धूम्रपान और तंबाकू छोड़कर, ब्लड प्रेशर और शुगर नियंत्रित रखकर, और संतुलित आहार व नियमित व्यायाम के माध्यम से। जिन मरीजों को कोरोनरी आर्टरी डिजीज होती है, उनमें 8-10% मामलों में कैरोटिड आर्टरी में भी ब्लॉकेज होता है।

संक्षिप्त समाचार

वार्डवासियों ने मनाया पार्षद बद्रीप्रसाद गुप्ता का जन्मदिन

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर नगर निगम के जोन 6 के अध्यक्ष एवं वार्ड 62 (शहीद राजीव पांडे वार्ड) के पार्षद बद्रीप्रसाद गुप्ता का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पार्षद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वार्डवासियों ने फूलगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया। बद्रीप्रसाद गुप्ता को सांसद बृजमोहन अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे और विधायक सुनील सोनी ने भी जन्मदिवस की बधाई दी। इस अवसर पर पार्षद गुप्ता ने सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया और जनसेवा के अपने संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम के बाद आशीर्वाद भोज का आयोजन किया गया, जिसमें रितेश केश्वरवानी, मनीष कराडभुजे, शिव चंद्राकर, राजेश लखानी, दिनेश लखानी, मनोज पांडे, सीमा साहू, शाहिदा, आशिया बेगम खान सहित अन्य वार्डवासी शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस पर राजधानी में सीएम साय करेंगे ध्वजारोहण

रायपुर (समय दर्शन)। स्वतंत्रता दिवस को प्रदेशभर में गरिमापूर्ण एवं भव्य रूप से मनाने के उद्देश्य से शासन स्तर पर तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्षता में बीते दिनों राज्य स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि स्वतंत्रता दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति गरिमापूर्ण, सुव्यवस्थित और राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत वातावरण में किया जाए।

राजधानी में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे से पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा जनता के नाम संदेश देंगे। समारोह में संयुक्त परेड द्वारा मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया जाएगा। रायपुर में आयोजित मुख्य समारोह की परेड का दायित्व पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के अधीन रहेगा। परेड में बी.एस.एफ, सी.आर.पी.एफ, सी.आई.एस.एफ, आई.टी.बी.पी., एस.एस.बी., छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (महिला एवं पुरुष), नगर सेना, एन.सी.सी. कैडेट्स आदि की टुकड़ियाँ सम्मिलित होंगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा पदक एवं पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इसके लिए विभागों को जूरी गठित कर 29 जुलाई 2025 तक चयनित नामों की सूची सामान्य प्रशासन विभाग को भिजवाना होगा। निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय मुख्य समारोह में 'जनता के नाम संदेश' देंगे। यह संदेश दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से पूरे प्रदेश में प्रसारित किया जाएगा। मुख्य समारोह पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति आधारित समूह-नृत्य एवं गायन प्रस्तुत किए जाएंगे। स्कूली बच्चों के कार्यक्रमों हेतु स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जूरी का गठन किया जाएगा तथा कार्यक्रम स्थल पर ही पुरस्कार वितरण होगा। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं नगर निगम आयुक्त रायपुर को स्वतंत्रता दिवस मुख्य समारोह व्यवस्था के संबंध में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई है। प्रदेश के सभी सार्वजनिक भवनों एवं राष्ट्रीय स्मारकों पर 15 अगस्त की रात प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। निजी संस्थानों से भी ध्वजारोहण एवं रोशनी करने की अपील की गयी है। जिला, विकासखंड एवं पंचायत स्तर पर कार्यक्रमों और प्रदर्शनी के आयोजन हेतु कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं। समारोह में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं नक्सली हिंसा में शहीद हुए जवानों के परिजनों को सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाएगा।

सप्रे शाला हनुमान मंदिर में 10 जुलाई से एक माह अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ

रायपुर (समय दर्शन)। श्रावण मास अखण्ड रामायण पाठ समिति श्री हनुमान मंदिर सप्रे शाला बूढ़ापारा में आयोजन के 25 वें साल को इस बार और भी भव्य तरीके से मनाया जायेगा। 10 जुलाई गुरुवार को श्री गुरु पुर्णिमा की शाम 5.30 बजे सभी राम भक्तों के साथ श्री रामदरबार व रामचरित मानस पाठ की शोभा यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर श्याम टाकीज सद्दानी चौक सदर बाज़ार कोतवाली चौक व बिजली ऑफिस चौक होकर वापस हनुमान मंदिर आएगी। जगह जगह शोभा यात्रा का स्वागत किया जायेगा। संध्या 7.30 बजे हनुमान जी महाराज की आरती संकल्प के बाद श्री रामचरित मानस पाठ (पूर्ण श्रावण मास अखण्ड) संगीतमय प. दिलीप शर्मा महाराज के सानिध्य में प्रारंभ होगा।

संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

निविदा आमंत्रण सूचना

युग युगीन भारत संग्रहालय, नई दिल्ली के लिए व्यापक संग्रहालय डिज़ाइन (वास्तुकला एवं प्रदर्शनी डिज़ाइन) सेवाओं हेतु डिज़ाइन सलाहकार के चयन हेतु प्रस्ताव हेतु अनुरोध, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 09 जुलाई 2025 को जारी किया गया है।

इच्छुक बोलीदाता eprocure.gov.in पर विवरण देख सकते हैं बोली जमा करने की अंतिम तिथि 01 अगस्त 2025 है।

cbc 9101/11/0010/2526

संपादकीय

भावपूर्ण स्त्री के तौर पर ममता को कड़े कदम उठाने चाहिए

कोलकाता के विधि महाविद्यालय प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित रूप से वरिष्ठ छात्रों द्वारा दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दक्षिण कोलकाता के इस परिसर में वह परीक्षा संबंधी प्रवेशपत्र भरने गई थी। मेडिकल जांच में सामूहिक रेप की पुष्टि होने के साथ ही एक सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार किया गया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार उसे जबरन यूनियन रूम में रोका गया और पूर्व छात्र व आपराधिक मामलों के वकील ने रेप किया। दो अन्य छात्रों ने घटना का वीडियो भी बनाया। शिकायतकर्ता ने बताया, दोषी के विवाह प्रस्ताव को वह पूर्व में ठुकरा चुकी थी। अभियुक्तों का संबंध तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद से बताया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि शैक्षणिक संस्थाओं में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दबदबा है। मुख्य आरोपी मनोजित के खिलाफ पहले भी कई विवाद सामने आने के बावजूद उसे कॉलेज में अस्थाई नौकरी मिलने के पीछे राजनीतिक संरक्षण बताया जा रहा है। भाजपा घटना पर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रही है जबकि उसे बीएचयू की वह घटना याद रखनी चाहिए जिसमें तमाम दबाव के बाद आरोपियों को पकड़ा गया था। तब सत्ताधारी दल ने किस राजनेता पर कार्रवाई की थी। यह खौफनाक है। विभिन्न घटनाओं के आधार पर कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि देश के शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए अति असुरक्षित हैं। तमाम नियमों व कानूनी पाबंदियों के बावजूद सामने आने वाली ये घटनाएं चुनिंदा हैं क्योंकि छात्राएं घबरा जाती हैं क्योंकि उनके शिक्षा ग्रहण करने में अड़ंगे लगने लगते हैं। सवाल छात्राओं का ही नहीं है, महिलाओं/बच्चियों की सुरक्षा को लेकर सरकारी व प्रशासनिक ढुलमुल रवैया बदल क्यों नहीं रहा। महिलाओं के प्रति अपराध थामने के लिए किए जाने वाले प्रचार, आयोग व दीवारों पर लिखे स्लोगन काफी नहीं कहे जा सकते। राजनीति को शिक्षा से दूर रखने की बात दशकों से होती रही है। उस पर राजनेताओं के अनर्गल बयानों से पीड़िता व उसके परिवार-परिचितों को होने वाले मानसिक कष्ट की भरपाई कैसे हो सकती है। कोलकाता के मेडीकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के जघन्य रेप/हत्या के जख्म अभी ज्यों-के-त्यों हैं। ममता बनर्जी को राजनीति को हाशिए में ढकेलते हुए भावपूर्ण स्त्री के तौर पर कड़े कदम उठाने से चूकना नहीं चाहिए।

विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में विश्वास बढ़ा

प्रह्लाद सबनानी

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रांस के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरु आत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षो में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो। दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है।

ब्रिक्स में दिखा भारत का कूटनीतिक पराक्रम, मोदी की ब्राजील यात्रा ने सफलता के नए कीर्तिमान रचे

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया ब्राजील यात्रा सिर्फ एक कूटनीतिक यात्रा भर नहीं थी, बल्कि यह भारत के वैश्विक कद और मोदी की नेतृत्व क्षमता की ताक़त का स्पष्ट प्रमाण भी बनी। ब्राजील के रियो डी जेनेरो में हुई 17वीं ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह वैश्विक राजनीति, भू-आर्थिक चुनौतियों और बहुपक्षीय सहयोग को लेकर भारत का पक्ष रखा, उसने न केवल भारत की छवि को मज़बूत किया, बल्कि यह भी साबित किया कि एक दूरदर्शी नेतृत्व किस तरह जटिल वैश्विक माहौल में राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकता है।

मोदी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेषकर दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में चीन की एकाधिकारवादी रणनीति की ओर इशारा करते हुए यह स्पष्ट किया कि कोई भी देश इन संसाधनों को हथियार के रूप में इस्तेमाल न करे। यह बयान ना सिर्फ भारत की रणनीतिक चिंता को दर्शाता है, बल्कि मोदी के संतुलित, लेकिन दृढ़ वैश्विक नेतृत्व का प्रतीक भी है। रूस और चीन जैसे देशों की मौजूदगी में भी मोदी ने न तो पश्चिमी ताक़तों की आलोचना की और न ही अंध समर्थन दिया। इसके बजाय उन्होंने Global South के अधिकारों, विकास के अवसरों और समावेशी वैश्वीकरण की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उनका यह रुख ब्रिक्स को एकतरफा मंच बनने से रोकता है और भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को उजागर करता है। प्रधानमंत्री के संबोधनों से यह भी स्पष्ट हुआ कि नरेंद्र मोदी केवल घरेलू राजनीति के माहिर नहीं, बल्कि वे अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बारीक समझ रखने वाले नेता भी हैं। देखा जाये तो वह भारत को वैश्विक शक्ति-संतुलन में एक निर्णायक खिलाड़ी के रूप में प्रस्तुत करने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत-ब्राजील के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामरिक साझेदारी को मजबूत करने वाली भी साबित हुई। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा, ऊर्जा, कृषि, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी 2.0 की ओर बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई है।

हम आपको बता दें कि भारत और ब्राजील ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। खासतौर पर कृषि उत्पाद, औषधीय उद्योग, टेक्सटाइल, और आईटी सेवाओं में सहयोग के नए द्वार खुले हैं। इससे भारतीय स्र्स्स्श्चद्य और निर्यातकों को नए बाजार मिलेंगे। इसके अलावा, ब्राजील जैव ईंधन (ड्ढद्बश्द्घह्वद्गद्य) और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी देश है। भारत के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को देखते हुए दोनों देशों ने हरित ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। साथ ही ब्रिक्स, त्र20 और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर भारत और ब्राजील ने विकासशील देशों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए समन्वय बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की मजबूत वकालत की।

इसके अलावा, ब्राजील के साथ मजबूत संबंध भारत को लैटिन अमेरिका में रणनीतिक पहुँच प्रदान करते हैं। यह महाद्वीप ऊर्जा, खनिज और कृषि संसाधनों से समृद्ध है और भारत के लिए एक नया आर्थिक और भू-राजनीतिक अवसर है। हम आपको यह भी बता दें कि ब्राजील, विश्व का सबसे बड़ा सोया उत्पादक और निर्यातक है। भारत की खाद्य सुरक्षा के लिए यह साझेदारी महत्त्वपूर्ण हो सकती है। साथ ही, ब्राजील के पास प्रचुर मात्रा में कच्चा तेल, इथेनॉल और जलविद्युत क्षमता है जो भारत की ऊर्जा रणनीति में योगदान कर सकती है।

इसके अलावा, अंतरिक्ष तकनीक, रक्षा उत्पादन और एयरोनॉटिक्स के क्षेत्र में ब्राजील की विशेषज्ञता और भारत की विनिर्माण क्षमता मिलकर एक मजबूत टेक्नोलॉजिकल गठजोड़ बना सकते हैं। ढ्ढरु और श्वद्वड्ढह्स्रड्डद्गह्ल जैसे संस्थानों के बीच सहयोग की संभावनाएं प्रबल हैं। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और ब्राजील दोनों जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर समान सोच रखते हैं। ग्लोबल साउथ के हिस्से के रूप में, दोनों मिलकर विकसित देशों से जलवायु फंड और तकनीकी हस्तांतरण के लिए सामूहिक दबाव बना सकते हैं।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने आतंकवाद से निपटने पर भी विचार-विमर्श किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष इस बात पर स्पष्ट हैं कि आतंकवाद पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। मोदी ने मीडिया को दिये अपने बयान में कहा, ''आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में हमारी सोच एक जैसी है, यथा- आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति और यह कि इसे लेकर दोहरा मानदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम आतंकवाद और आतंकवाद का समर्थन करने वालों का कड़ा विरोध करते हैं।''

मोदी ने कहा, ''हम चाहते हैं कि भारत-ब्राजील संबंध कार्निवल (रंगारंग जुलूस) की तरह रंगीन हों, फुटबॉल की तरह जोशीले हों, और सांबा (नृत्य) की तरह दिलों को जोड़ने वाले हों और वीजा काउंटर पर लंबी कतारें न हों। इस भावना के साथ।'' उन्होंने कहा, ''हम दोनों देशों के लोगों, खासकर पर्यटकों, छात्रों, खिलाड़ियों और व्यापारियों के बीच आपसी संपर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रयास करेंगे। विभिन्न भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-ब्राजील साझेदारी स्थिरता और संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और दोनों पक्ष इस बात पर एकमत हैं कि सभी विवादों को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्राजील के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड कॉलर ऑफ द नेशनल ऑर्डर ऑफ द सदर्न क्रॉस' से सम्मानित किया गया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री मोदी को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रमुख वैश्विक मंचों पर भारत-ब्राजील सहयोग बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए यह सम्मान दिया। मोदी ने लूला के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा, ''आज राष्ट्रपति द्वारा ब्राजील के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होना न केवल मेरे लिए, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए भी अत्यंत गर्व और भावना का क्षण है।'' हम आपको बता दें कि मई 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से किसी विदेशी सरकार द्वारा उन्हें दिया गया यह 26वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी का ब्रासीलिया के अल्वोराडा पैलेस में 114 घोड़ों की एक अनूठी परेड के साथ भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। इसके बाद, प्रधानमंत्री के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत भारत माता की जय के नारों से किया। मोदी ने वहां मौजूद लोगों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री का स्वागत संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया गया।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा एक बार फिर यह सिद्ध करती है कि उनका नेतृत्व केवल भाषणों या आयोजनों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय रणनीति, साझेदारी और भारत के दीर्घकालिक हितों की ठोस पैरवी में भी प्रभावशाली है। आज जब विश्व एक बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, तो ऐसे में भारत का नेतृत्व एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में है जो न केवल अपने देश के लिए सोचता है, बल्कि दुनिया के भविष्य को भी दिशा देने की क्षमता रखता है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक दौरा नहीं थी, बल्कि यह त्रद्यश्ड्ढड्डद्य स्शह्वह्लद्ध की आवाज़ को संगठित करने और भारत की एक जिम्मेदार, भरोसेमंद भागीदार के रूप में छवि को और मजबूती देने की दिशा में एक ठोस कदम थी। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि भारत और ब्राजील के बीच बढ़ती निकटता न केवल दोनों देशों के नागरिकों को व्यावसायिक, तकनीकी और सांस्कृतिक लाभ देगी, बल्कि यह वैश्विक बहुध्रुवीय व्यवस्था को संतुलित करने में भी योगदान दे सकती है।

भाषायी विवादों के पीछे विभाजनकारी षड्यंत्र

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

संत ज्ञानेश्वर और हिंदवी स्वराज्य प्रणेता छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यभूमि में राजनीतिक वितंडावादियों ने 'भाषा' के नाम पर जिस अराजकता का परिचय दिया। हिंसा का मार्ग अपनाते हुए विभाजनकारी सोच का उत्पात मचाया। वह हर किसी को अंदर से झकझोर देने वाला षड्यंत्र ही समझ आ रहा है। वस्तुत: ऐसा करने वालों के मूल में 'मराठी अस्मिता' का भाव नहीं है। बल्कि वे भारत की विराट पहचान को मिटाने की कुत्सित सोच से ग्रसित हैं। आप सोचिए कि जिस महान महाराष्ट्र की भूमि में- संत नामदेव, संत एकनाथ, संत तुकाराम महाराज, संत बहिणाबाई, संत जनाबाई, संत कान्होपात्रा और समर्थ रामदास, संत गाडगे जैसी महान विभूतियों ने राष्ट्रीय एकता और एकात्मता को स्थापित किया हो। मूल्यों, संस्कारों और आदर्शों का मार्ग दिखाया हो। उस भूमि से अगर अलगाव के उत्पाती कृत्य आ रहे हों तो यह निश्चित तौर पर महाराष्ट्र की छवि को धूमिल करने का षड्यंत्र ही सिद्ध होता है।? जो 'मराठी अस्मिता' के नाम पर समाज में विभाजन फैला रहे हैं। विराट हिंदू समाज को बांटने का षड्यंत्र कर रहे हैं। वे महाराष्ट्र के आदर्शों की कही या लिखी गई — ऐसी एक पंक्ति लाकर समाज के मध्य दिखला दें। जो किसी भी प्रकार के विभाजन की बात करती हो। ऐसे में क्या यह अक्षम्य अपराध नहीं है? क्या महाराष्ट्र की महान परंपरा को आघात पहुंचाने वालों को समाज स्वीकार करेगा?

ईश्वरीय निमित्त वश मुझे छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित हिंदवी स्वराज्य स्थापना के 350 वें वर्ष पर एक ग्रंथ के संपादन का सौभाग्य मिला। उस समय मैंने छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े कई ग्रंथों का अध्ययन किया।? विभिन्न विद्वानों के विचारों को पढ़ा और सुना। लेकिन एक भी अंश ऐसा नहीं पाया जब छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्थानीयता, प्रांतीयता की परिधि में स्वयं को समेटा हो। उनके कार्यों और विचारों की दृष्टि सर्वदा अखिल भारतीय-अखंड भारत वर्ष पर ही केंद्रित रही।? शिवाजी महाराज ने जब स्वराज्य की स्थापना की तो उसका नाम उन्होंने 'महाराष्ट्र' या मराठी राज्य नहीं किया। अपितु उन्होंने उसका नामकरण 'हिंदवी स्वराज्य' किया। उन्होंने स्वराज्य के संचालन के लिए जब 'राज व्यवहार कोश' का निर्माण कराया।?उस समय उन्होंने अरबी फ़ारसी के स्थान पर संस्कृतनिष्ठ और मराठी के शब्दों का शब्दकोष बनवाया। इसी प्रकार शिवाजी महाराज की राजमुद्रा में 'संस्कृत' का प्रयोग किया गया। उनकी राजमुद्रा में लिखा रहता था—

प्रतिपच्चन्द्रलेखेव वर्धिष्णुर्विश्ववन्दिता ।
शाहसूनोः शिवस्यैषा मुद्रा भद्राय राजते ।।

अभिप्रायत: छत्रपति शिवाजी महाराज ने जिस महान हिंदवी स्वराज्य की स्थापना की। राष्ट्रीय एकता और एकात्मता को स्थापित किया। अब उस पर 'मराठी अस्मिता' के नाम पर आघात किया जा रहा है। विराट हिंदू पहचान को संकुचित और संकीर्ण दायरों में समेटने का अक्षम्य अपराध किया जा रहा है। ऐसा करने वाले ये वही लोग हैं जिन्हें 'मराठी मानुष' ने चुनावों में सिरे से खारिज़ कर दिया है। क्योंकि महाराष्ट्र की जनता अपनी महान विरासत के साथ राष्ट्रीय विचारों के साथ एकात्म है।उसे किसी भी हाल में विभाजन स्वीकार नहीं है। ऐसे में विभाजनकारी मानसिकता से ग्रस्त लोग और राजनेता; समाज की एकता को खंडित करने में जुट गए हैं। चाहे हिंदी हो, मराठी हो, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ हो या बंगाली हो। संस्कृत हो मलयालम हो, कोंकणी, संथाली या उड़िया हो चाहे पंजाबी हो। याकि कश्मीरी, असमिया, बोडो या डोगरी हो। संथाली, सिंधी, नेपाली हो। सभी भारतीय भाषाएं हमारी हैं। भारत की कोख से जन्मी हर भाषा, बोली और परंपराएं हमारी अमूल्य विरासत हैं। ये किसी व्यक्ति विशेष या राज्य विशेष की संपत्ति नहीं हैं बल्कि हर भारतीय का जीवन मूल्य और संस्कार हैं। इनमें राष्ट्र की महान परंपरा और संस्कृति का अविरल और अक्षुण्ण प्रवाह अंतर्निहित है। जो एक ही धुन सुनाता है जय-जय जय भारत।?

ऐसे में भला कोई ये दावा कैसे कर सकता है कि— ये मेरी भाषा है-ये तुम्हारी भाषा है? क्या हमारे महापुरुषों और भाषाओं ने किसी भी व्यक्ति, दल या समूह को ऐसे कोई अधिकार दिए हैं? क्या समाज ने कभी भी ऐसे विभाजन को स्वीकार किया है? क्या हमारे संविधान ने ऐसे किसी भी प्रकार के भेदभाव का प्रावधान किया है? इन सबका उत्तर है— नहीं। भारत के कोने-कोने में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपनी हर भाषा, बोली, परंपराओं के प्रति गहरा आदर और श्रद्धा रखता है। उसे अपनी सभी भाषाओं और सभी परंपराओं से प्रेम है। उसके लिए कुछ भी अपना या पराया नहीं है। हमारे सभी श्रद्धा के केंद्र, आदर्श, महापुरुष और भाषाएं हमें एकता के सूत्रों से गुंफित किए हुए हैं।? हम सबका मस्तक अपनी महान परंपरा के हर मानबिंदु के समक्ष श्रद्धा से नत होता है। यही तो भारतीय मूल्य और संस्कार हैं। हो सकता है सभी को हर भाषा नहीं आती हो। किसी को सभी भारतीय भाषाएं आती हों। किसी को दो-चार या उससे अधिक भाषाएं आती हों।?लेकिन इसका अर्थ तो ये नहीं कि — इस आधार पर कोई अपनी श्रेष्ठता का दावा करेगा? किसी के साथ अत्याचार या भेदभाव करेगा। यह तो असह्य है। इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।?

दूजे जहां तक बात रही 'हिंदी' के विरोध की — तो ये कोई नई बात नहीं है। भारत विभाजनकारी शक्तियां 'हिंदी और हिंदू' के विरोध से अपना षड्यंत्र शुरू करते हैं और फिर हिंदुस्तान के विरोध में उतर जाते हैं। भारत विभाजनकारी शक्तियों का एक और अंतिम लक्ष्य है भारत राष्ट्र का खंडन करना। इसके लिए वो कभी समाज को भाषा के आधार पर लड़ाएंगे। कभी जाति और महापुरुष के नाम पर लड़ाएंगे।?कभी क्षेत्रवाद, बोली, पहनावों और परंपराओं के नाम पर समाज के मध्य विभाजन की दीवार खड़ी करेंगे। क्योंकि उन्हें ये पता है कि विराट हिंदू समाज को छोटे-छोटे विभाजनों में फंसाकर आसानी से तोड़ा जा सकता है।लेकिन अगर एक और अंतिम पहचान 'हिंदू' है तो वे मुंह की खाएंगे।वे कभी भी हिंदू समाज को कमजोर नहीं कर पाएंगे। बस इसी के निमित्त वो कोई न कोई ऐसा भावनात्मक मुद्दा उठाएंगे जो हिंदू समाज को आपस में ही लड़ा देने वाला हो। वो भावनाओं को उद्वेलित करेंगे। मुद्दा बनाएंगे और समाज में विभाजन के विष फैलाने में जुट जाएंगे। अक्सर जो राजनीतिक दल, नेता या समूह हिंदी या संस्कृत का विरोध करते दिखते हैं। वो क्या कभी विदेशी विशेषकर 'अंग्रेजी' भाषा का विरोध करते नज़र आए हैं? क्या कभी आपने ऐसा देखा है कि— वे अंग्रेजी के बायकॉट का अभियान चलाते दिखे हों। आप एक भी उदाहरण नहीं देखेंगे। क्योंकि भाषायी आधार पर समाज में अलगाववाद फैलाने वालों का एजेंडा भारतीय भाषाओं-स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देना नहीं है। बल्कि हिंदी विरोध के नाम पर समाज में विभाजन उत्पन्न करना और ध्रुवीकरण करना है। ताकि उनकी राजनीतिक सत्ता बनी रहे और संपूर्ण हिंदू समाज एकजुट न हो पाए। इतना ही नहीं भाषायी या क्षेत्रीय आधार पर अलगाववाद फैलाने वालों के पीछे कई सारी भारत विरोधी शक्तियां काम करती हैं। जो कभी राजनेताओं के माध्यम से,कभी समूहों के माध्यम से — विभाजन उत्पन्न करती रहती हैं।? प्राय: चुनावों के समय इसकी गति बढ़ जाती है। क्या आप ये सब अनुभव करते हैं? अगर हां तो तय मानिए कि ये सब बिल्कुल योजनाबद्ध ढंग से किया जाता है। आपने ध्यान दिया होगा कि- असमय ही हिंदी विरोध की ये मुहिम कभी इस राज्य से तो कभी उस राज्य से दिखाई देती है। ये सब इसलिए होता है क्योंकि राष्ट्र की अधिसंख्य जनता हिंदी में एकता और राष्ट्रीयता का बोध पाती है। ऐसे में राष्ट्रीय एकता और अखंडता को व्यक्त करने वाले जितने भी प्रतीक, आदर्श और व्यवहार होंगे। उनके विरोध में अलगाववाद का वातावरण तैयार करना— राष्ट्रद्रोही शक्तियों का उद्देश्य है।?

इसीलिए हम सबकी सतर्कता और सजगता की महती आवश्यकता है।? हम देश के किसी भी हिस्से में रहें। जहां भी पृथकता और अलगाववाद के ये कुकृत्य हों। उनका हमें मुखरता के साथ प्रतिकार करना चाहिए।क्योंकि हम सब भारतवासी— भारत माता की संतान हैं। जो हमारी माता का अपमान करेगा। भारत माता को पीड़ा देने का अपराध करेगा। हम भला उसे कैसे छोड़ सकते हैं? हमारी परंपरा तो यही कहती है न कि— न्यायार्थ अपने बंधु को भी, दंड देना धर्म है।

अतएव हम सबकी जितनी भी भिन्न-भिन्न पहचाने हैं वो सब 'राष्ट्रीयता' और हिंदुत्व की छतरी के नीचे ही समवेत होनी चाहिए। एकाकार और एकात्म होनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो हम नि:संदेह यह मान लें कि हम किसी बहुत बड़े विभाजनकारी 'ट्रैप' का टूल बनते जा रहे हैं। हमारी सभी भाषाएं, बोलियां, प्रांत, स्थानीयता वेशभूषा सबकुछ राष्ट्र की एकता-अखण्डता को अभिव्यक्त करने वाली हैं। भारत की संस्कृति इतनी विविधवर्णी है कि वह अपने संयोजन में संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है। अनंत कलाएं, अनंत परंपराएं और शैलियां आपको मिलेंगी। लेकिन सबके केन्द्र में सर्वसमावेशी दृष्टि और सृष्टि का दर्शन मिलेगा। आप किसी भी भाषा, बोली या क्षेत्र में जाइए वहां एकता के सूत्र एक मिलेंगे। हमारे आदर्श, मूल्य और संस्कार एक मिलेंगे। कहीं कोई विभाजन नहीं मिलेगा। हां ये ज़रूर हो सकता है कि इनके रुप और अभिव्यक्तियां अलग-अलग हों। लेकिन मूल और ध्येय आपको एक ही मिलेगा जो राष्ट्र को अभिव्यक्त करेगा। अपनी-अपनी परंपराओं, क्षेत्रों , बोलियों और भाषाओं के प्रत्येक आदर्शों को देख लीजिए। कहावतों, मुहावरों और सूक्तियों को देख लीजिए। संतों और विद्वानों को देख लीजिए। उनके विचारों और कार्यों में 'विराट राष्ट्र' और एकता, समरसता, बंधुता और प्राणि मात्र के कल्याण की ही भावना मिलेगी। सबमें राष्ट्र की परंपरा का अविरल प्रवाह मिलेगा जो सबको सत्मार्ग की ओर ले जाने वाला है। यही हमारा वैशिष्ट्य है। यही हमारी शक्ति और सामर्थ्य है।? लेकिन भारत की यही शक्ति और सामर्थ्य भारत विरोधियों को रास नहीं आ रही है। दुराग्रही कुंठित राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को राष्ट्रीयता का यह विराट स्वरूप पच नहीं पा रहा है। क्योंकि अलगाववाद, क्षेत्रवाद और भाषावाद के नाम पर बने राजनीतिक दलों को जनता ने बारंबार ख़ारिज कर दिया है। ऐसे में राष्ट्रीयता के समस्त मूल्य और आदर्श उनके लिए बाधक सिद्ध हो रहे हैं। इसीलिए वो अपनी खीझ उतारने के लिए किसी भी स्तर तक नीचे गिरते चले जा रहे हैं।

गुरु साक्षात परब्रम्ह...

शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात दो अक्षरों से मिलकर बने गुरु शब्द का अर्थ - प्रथम अक्षर गु का अर्थ- अंधकार होता है जबकि दूसरे अक्षर रु का अर्थ- उसको हटाने वाला होता है। अर्थात् अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण करता है अथवा गुरु वह है जो धर्म का मार्ग दिखाता है। श्री सद्गुरु आत्म-ज्योति पर पड़े हुए विधान को हटा देता है। ओशो कहते है गुरु के बारे में कि गुरु का अर्थ है- ऐसी मुक्त हो गई चेतनाएं, जो ठीक बुद्ध और कृष्ण जैसी हैं, लेकिन तुम्हारी जगह खड़ी हैं, तुम्हारे पास हैं। कुछ थोड़ा-सा ऋण उनका बाकी है- शरीर का, उसके चुकने की प्रतीक्षा है। बहुत थोड़ा समय है। ...गुरु एक पैराडॉक्स है, एक विरोधाभास है - वह तुम्हारे बीच और तुमसे बहुत दूर, वह तुम जैसा और तुम जैसा बिलकुल नहीं, वह कारागृह में और परम स्वतंत्र।

अगर तुम्हारे पास थोड़ी सी भी समझ हो तो इन थोड़े क्षणों का तुम उपयोग कर लेना, क्योंकि थोड़ी देर और है वह, फिर तुम लाख चिल्लाओगे सदियों-सदियों तक, तो भी तुम उसका उपयोग न कर सकोगे। रामाश्रयी धारा के प्रतिनिधि गोस्वामीजी वाल्मीकि से राम के प्रति कहलवाते हैं कि-

तुम तें अधिक गुरहिं जिय जानी।

राम आप तो उस हृदय में वास करें- जहां आपसे भी गुरु के प्रति अधिक श्रद्धा हो। लीलारस के रसिक भी मानते हैं कि उसका दाता सद्गुरु ही है- श्रीकृष्ण तो दान में मिले हैं। सद्गुरु लोक कल्याण के लिए मही पर नित्यावतार है- अन्य अवतार नैमित्तिक हैं। संत जन कहते हैं-

राम कृष्ण सबसे बड़ा उनहूं तो गुरु कीन्ह।
तीन लोक के वे धनी गुरु आज्ञा आधीन॥

गुरु तत्व की प्रशंसा तो सभी शास्त्रों ने की है। ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका। गुरु को सभी ने माना है। प्रत्येक गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर-प्रशंसा एवं पूजा सहित पूर्ण सम्मान दिया है।भारत के बहुत से संप्रदाय तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं।

गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों पर श्रद्धा से चलना उस संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य है। गुरु का कार्य नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

राजा दशरथ के दरबार में गुरु वशिष्ठ से भला कौन परिचित नहीं है, जिनकी सलाह के बगैर दरबार का कोई भी कार्य नहीं होता था। गुरु की भूमिका भारत में केवल आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही है, देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को उचित सलाह देकर विपदा से उबारा भी है। अर्थात् अनादिकाल से गुरु ने शिष्य का हर क्षेत्र में व्यापक एवं समग्रता से मार्गदर्शन किया है। अत: सद्गुरु की ऐसी महिमा के कारण उसका व्यक्तित्व माता-पिता से भी ऊपर है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार-

यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु

अर्थात् जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों- ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है। गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। संत कबीर कहते हैं-

हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर॥

अर्थात् भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है किंतु गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना संभव नहीं है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है उस श्री गुरु से उपनिषद् की तीनों अग्नियां भी थर-थर कांपती हैं। त्रैलोक्यपति भी गुरु का गुणनान करते है। ऐसे गुरु के रूठने पर कहीं भी ठौर नहीं। अपने दूसरे दोहे में कबीरदास जी कहते है-

सतगुरु की महिमा अनंत, अनंत किया उपकार लोचन अनंत, अनंत दिखावण हार।

अर्थात् सद्गुरु की महिमा अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय-वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आंखों को ज्ञान चक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। आगे इसी प्रसंग में वे लिखते है।

भली भई जुगुर मिल्या, नहीं तर होती हांणि।
दीपक दिष्टि पतंग ज्यूं, पड़ता पूरी जांणि।

अर्थात् अच्छा हुआ कि सद्गुरु मिल गए, वरना बड़ा अहित होता। जैसे सामान्यजन पतंगे के समान माया की चमक-दमक में पड़कर नष्ट हो जाते हैं वैसे ही मेरा भी नाश हो जाता। जैसे पतंगा दीपक को पूर्ण समझ लेता है, सामान्यजन माया को पूर्ण समझकर उस पर अपने आपको न्यौछावर कर देते हैं। वैसी ही दशा मेरी भी होती। अत: सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, मुझ मनुष्य की बिसात क्या?

दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से भी सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न अधिक गर्मी और न अधिक सर्दी। इसलिए अध्ययन के लिए उपयुक्त माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, वैसे ही गुरु-चरणों में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शान्ति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी है। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान थे और उन्होंने चारों वेदों की भी रचना की थी। इस कारण उनका एक नाम वेद व्यास भी है। उन्हें आदिगुरु कहा जाता है और उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। भक्तिकाल के संत घीसादास का भी जन्म इसी दिन हुआ था वे कबीरदास के शिष्य थे। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है।

क्या करें
गुरु पूर्णिमा के दिन

भारत भर में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। आषाढ़ के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को ही गुरु पूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। वैसे तो देश भर में एक से बड़े एक अनेक विद्वान हुए हैं, परंतु उनमें महर्षि वेद व्यास, जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, उनका पूजन आज के दिन किया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में नि:शुल्क शिक्षा ग्रहण करता था, तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति, अपने सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यासजी ही हैं, अत: वे हमारे आदिगुरु हुए। इसीलिए इस दिन को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। उनकी स्मृति हमारे मन मंदिर में हमेशा ताजा बनाए रखने के लिए हमें इस दिन अपने गुरुओं को व्यासजी का अंश मानकर उनकी पाद-पूजा करनी चाहिए तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए गुरु का आशीर्वाद जरूर ग्रहण करना चाहिए। साथ ही केवल अपने गुरु-शिक्षक का ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

- प्रात: घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं.
- घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए.
- फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए.
- तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए.
- फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए.
- अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए.

गुरु पूर्णिमा पर यह भी है खास

- गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए.
- यह पर्व श्रद्धा से मनाना चाहिए, अंधविश्वास के आधार पर नहीं.
- इस दिन वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर गुरु को प्रसन्न कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए.
- गुरु का आशीर्वाद सभी-छोटे-बड़े तथा हर विद्यार्थी के लिए कल्याणकारी तथा ज्ञानवर्द्धक होता है.
- इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है.

आदिगुरू की रात है गुरु पूर्णिमा की रात

गुरु पूर्णिमा की यह रात हमारे प्रथम गुरु, आदिगुरु की रात के रूप में जानी जाती है। मानव इतिहास में पहली बार आज के ही दिन मानव जाति को याद दिलाया गया था कि उनका जीवन पहले से तय नहीं हैं। अगर मेहनत करना चाहे तो अस्तित्व का हर दरवाजा इंसान के लिए खुला है। ज़रूरी नहीं कि इंसान साधारण-से कुदरती नियमों के दायरे में बंद रहे। सीमाओं का बंधन इंसान की सबसे बड़ी तकलीफ है। हिंदुस्तान और कुछ हद तक अमेरिका में हम जेलों में बंदियों के लिए प्रोग्राम करते रहे हैं और हर बार जेल के अंदर घुसते ही मुझे वहां की हवा में दर्द का अहसास हुआ है। ऐसा अहसास जिसका मैं कभी बयान नहीं कर सकता। मैं बहुत भावुक किस्म का इंसान नहीं हूं लेकिन ऐसा एक बार भी नहीं हुआ कि वहाँ जाकर मेरी आंखों में आंसू न उमड़े हों क्योंकि वहां की हवा में बेइंतहा दर्द है। यह सीमाओं में बंद रहने का दर्द है।

क्या थी आदियोगी की शिक्षा?

वे दार्शनिक सिद्धांतों का बखान नहीं कर रहे थे और न ही कोई धार्मिक कट्टरता सिखा रहे थे। वे एक वैज्ञानिक विधि की बात कर रहे थे जिसके जरिये आप उन सीमाओं को मिटा सकते हैं जो कुदरत ने इंसानी ज़िंदगी के लिए बनायी हैं।

हम जो भी सीमा रेखा खींचते हैं शुरू में उसका लक्ष्य होता है सुरक्षा, लेकिन आगे चल कर अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा की ये सीमाएं हमारे ही कैद की दीवार बन जाती हैं। इन सीमाओं का कोई एक रूप-रंग नहीं है; इन सीमाओं ने बहुत-से जटिल रूप ले लिये हैं। ये महज मनोवैज्ञानिक सीमाएं नहीं हैं बल्कि आपकी हिफाज़त और खुशहाली के लिए बनी कुदरती सीमाएं हैं। इंसान की प्रकृति ऐसी है कि उसको बंधन की सीमाओं के परे गए बिना उसे सच्ची खुशहाली का अहसास नहीं होता। इंसान की दशा अजीब है ङ्क मुसीबत में होने पर वह अपने चारों ओर किले की सुरक्षा चाहता है, लेकिन खतरा टलते ही चाहता है कि ये किले गिर जायें, ग़ायब हो जायें। अपनी हिफाज़त के लिए अपने ही द्वारा खड़े किये गये किले जब हमारे चाहने पर गिर कर गायब नहीं होते तब हम इनके अंदर बंदी जैसा महसूस करने लगते हैं और हमारा दम घुटने लगता है।

बंधन के इन किलों को अपने लक्ष्य के पाने में इस्तेमाल करना और ज़रूरत न होने पर इनको गिरा देने की काबिलियत रखना ङ्क यही शिव की शिक्षा थी। कैसे बनायें ऐसा जादुई किला जिसको कोई दुश्मन भेद न सके पर आप जब चाहें इस पार से उस पार आ-जा सकें? शिव ने बहुत-से आश्चर्यजनक तरीके बताये। बदकिस्मती से मुट्ठी-भर इंसान भी ऐसे नहीं हैं जो अपनी बंधनों की प्रकृति को समझने और उससे बाहर निकलने के तरीकों की खोज करने के लिए ज़रूरी एकाग्रता, धैर्य और दिलचस्पी रखते हों। लोग सोचते हैं कि नशीली दवाएं ले कर, सिगरेट पी कर, अच्छा खा कर या फिर अच्छी नींद ले कर इस बंदिश से छूट जायेंगे। सृष्टि के तरीके इतने सरल नहीं है। यह हिफाज़त का कितना अनोखा डिज़ाइन है! पर जो इंसान नहीं देख पाता कि यह अंदर और बाहर दोनों तरफ से बंधन है वह इसका मकसद नहीं जान पाता, क्योंकि वह कभी बाहर जा ही नहीं पाया है।

सप्त ऋषि भी सराहनीय हैं

गुरु पूर्णिमा का दिन इस बात का उत्सव मनाने के लिए है कि आज के ही दिन पहली बार मानव जाति के लिए ऐसी नयी सोच, ऐसा असाधारण काम शुरू हुआ। मैं आदियोगी के आगे उनकी महानता के लिए सिर झुकाता हूं पर आदियोगी की सराहना से ज़्यादा मेरी सराहना उन सात ऋषियों के लिए है जिन्होंने खुद को इतना ऊंचा उठाया कि आदियोगी उनको नज़र-अंदाज़ न कर सके। मुझे नहीं लगता कि किसी दूसरे गुरु को ऐसे सात लोग मिल पाये जिनके साथ वे हर मनचाही चीज़ साझा कर पाते और जो इतने काबिल होते कि उनकी बतायी हर चीज़ को ग्रहण कर पाते। अनेक योगियों और गुरुओं को बहुत अच्छे शिष्य मिले जिनके उपर उन्होंने अपनी कृपा बरसा कर उनको तृप्त किया। लेकिन किसी भी गुरु को वैसे सात शिष्य नहीं मिल पाये जिनके साथ वे अपना ज्ञान साझा कर पाते। ऐसा अब तक नहीं हुआ है.हम अब भी कोशिश कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा के दिन शुरू हुआ था ज्ञान का प्रसार

आदियोगी ने लगभग 15,000 वर्ष पूर्व, पहले योग कार्यक्रम का आरंभ किया था। आदियोगी यानी 'पहला योगी'। उन्होंने कभी अपना परिचय देने की ज़रूरत नहीं समझी, न ही लोग उनका नाम जानते थे इसलिए वे उन्हें आदियोगी के नाम से पुकारने लगे। उन्होंने अपने पहले सात शिष्यों को उपेक्षित करने की पूरी कोशिश की। आज भारत, उन सातों शिष्यों को सप्तर्षियों के नाम से जानता है। ये वे सात ऋषि हैं, जिन्हें सारे आध्यात्मिक ज्ञान का आधार माना जाता है। उन्होंने ही इसका संप्रेषण किया। उन्होंने गुरु का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए बहुत प्रयास किए। गुरु ने अपनी ओर से उनकी पूरी उपेक्षा की। वे अपने योग से मिले परमानंद का उपभोग करना चाहते थे। वे उन्हें शिक्षा नहीं देना चाहते थे। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनके आनंद में बाधा दे, पर ये ऋषि अनेक वर्षों तक अपने हठ पर अड़े रहे।

परंपराओं से मिले ज्ञान के अनुसार, वे लगभग 84 वर्ष वहीं रहे। हम नहीं जानते, पर निश्चित रूप से वे लंबे समय तक उनके इंतज़ार में रहे।

इस साल गुरु पूर्णिमा की विशेषता

ज्ञान का संचरण अगली पूर्णिमा से आरंभ हुआ था, पर अब वह समय है, जब उन्होंने अपने सातों शिष्यों पर पूरा ध्यान दिया। यह वर्ष बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार फिर ग्रीष्म अयनांत और पूर्णिमा, एक ही दिन आ रहे हैं। यह एक दुर्लभ संयोग है। योग गाथाओं के अनुसार उन्होंने शिष्यों को 28 दिनों तक ध्यान से देखा। इसका अर्थ हुआ कि उस काल में उत्तरायण से दक्षिणायन का परिवर्तन पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस साल भी ऐसा ही हुआ है। हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि इस वर्ष, हम सब एक साथ हैं। आपके शिक्षा तंत्र व आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमियाँ आपको भीतर की ओर मुड़ने के लिए कोई शिक्षा नहीं देतीं। वे सब आपको बाहरी तौर पर कुछ करना सिखा रही हैं ङ्क यह सब कुछ संसार को ठीक रखने के लिए है। हमने इस संसार को इतना ठीक कर दिया है कि अगर अब थोड़ा सा भी और प्रयास हुआ, तो यह संसार ही नहीं रहेगा। हमने इस संसार में जो कुछ भी प्रयत्न किए, वह मनुष्य के कल्याण के लिए थे। संसार तो ठीक हुआ पर हमें खुशहाली नहीं मिली। क्योंकि जब तक आप अपने भीतर नहीं झाँकेंगे, तब तक यह संभव नहीं हो सकता।

रणबीर ने तोड़ा प्रभास का रिकॉर्ड

रणबीर कपूर जल्द 'भगवान राम' बनकर बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। लेकिन उनकी वापसी किसी दूसरी फिल्म से होगी, जो है- Love And War यूं तो रणबीर कपूर को लेकर 'एनिमल' के बाद से ही बज बना हुआ है। पर जब उनकी Ramayan का फर्स्ट लुक सामने आया, तो लोग उनके साथ यश को देखकर भी खुश हो गए, उनकी फिल्म का पहला पार्ट दिवाली 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं दूसरे के लिए दिवाली 2027 का इंतजार करना होगा। इस फिल्म से रणबीर कपूर ने प्रभास का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, लेकिन फिर भी पीछे रह गए।

दरअसल 'रामायण' के पहले पार्ट का बजट 835 करोड़ है,वहीं दूसरे पार्ट को 700 करोड़ में बनाया जाएगा,जिसका टोटल बजट होता है 1600 करोड़। हाल ही में एक रिपोर्ट से पता लगा कि रणबीर कपूर एक पार्ट के लिए 75 करोड़ फीस वसूल रहे हैं,लेकिन इससे पहले प्रभास ने 'भगवान राम' बनकर इससे कई करोड़ ज्यादा वसूले थे। हाल ही में पता लगा कि 'रामायण' के एक पार्ट के लिए रणबीर कपूर ने 75 करोड़ वसूले हैं। जबकि, यह दो पार्ट्स में रिलीज की जाएगी. ऐसे में वो 'भगवान राम' बनने के लिए टोटल 150 करोड़ फीस ले रहे हैं। वहीं माता सीता बन रही साई पल्लवी को 6 करोड़ एक पार्ट के लिए मिले हैं. उनका टोटल भी 12 करोड़ होता है। दरअसल नमित मल्होत्रा 'रामायण' के दोनों पार्ट्स को 1600 करोड़ के बजट में तैयार कर रहे हैं। हालांकि, जहां कुछ लोगों को डर है कि इस फिल्म का 'आदिपुरुष' वाला हाल न हो जाए। तो कुछ ने प्रभास और मेकर्स को ट्रोल किया, जब रामायण का फर्स्ट लुक आ गया। साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म आदिपुरुष में प्रभास ने 'भगवान राम' का किरदार निभाया था। रिपोट्र्स के मुताबिक, उस फिल्म के लिए 150 करोड़ वसूले थे। जो रिकॉर्ड रणबीर कपूर 1600 करोड़ी 'रामायण' से तोड़ चुके हैं। दरअसल प्रभास इंडियन सिनेमा के हाइएस्ट पेड एक्टर्स में से एक हैं।

150 करोड़ क्लब में शामिल हुई 'सितारे जमीन पर'

बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' ने भारतीय बाजार में 150 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। आमिर खान की फिल्म सितारे ज़मीन पर 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुयी है। यह फिल्म वर्ष 2007 की क्लासिक तारे ज़मीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल कही जा रही है। आमिर खान ने वर्ष 2022 में प्रदर्शित फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की असफलता के बाद फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। आमिर ने 'सितारे जमीन पर' के जरिए शानदार वापसी की है।हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।फिल्म 'सितारे जमीन पर'बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। 'सितारे ज़मीन पर' ने दर्शकों का दिल छू लिया है। आमिर खान ने अपनी इस फिल्म से एक बार फिर साबित कर दिया है कि वे सही मायनो में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट हैं। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म 'सितारे जमीन पर ' ने 18 दिनों में 150 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म सितारे जमीन पर में 10 नए चेहरों की धमाकेदार लॉन्चिंग हुयी है। आमिर खान प्रोडक्शंस प्रस्तुत इस फिल्म में 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभजैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर हैं। 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं। इस फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है, जबकि निर्देशन आर. एस. प्रसन्ना ने किया है।

अहान के लुक को देख भावुक हुए पापा सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अब बड़े पर्दे पर अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। वह सनी देओल की फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आने वाले हैं, जो 1997 की सुपरहिट फिल्म 'बॉर्डर' का दूसरा भाग है। हाल ही में अहान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक खास फोटो पोस्ट की, जिसमें वो और उनके पिता सुनील शेट्टी सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। अब इसपर सुनील शेट्टी का रिएक्शन सामने आया है। आइए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा है।

बॉर्डर 2 से सामने आए अहान शेट्टी के फोटो को देखकर ऐसा लग रहा है कि जैसे बाप-बेटे नहीं बल्कि जुड़वां भाई हों। इस पोस्ट के साथ अहान ने लिखा, "हर बेटा कहीं न कहीं अपने बाप जैसा बनना चाहता है।" अब अपने बेटे की इस पोस्ट पर सुनील शेट्टी ने भी प्यार भरी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा, "चिप ऑफ द ओल्ड सोल यानी बिलकुल पिता जैसा।"फैंस ने भी जमकर तारीफ की कि अहान सेना की वर्दी में सुनील शेट्टी की कॉपी लगते हैं।

'बॉर्डर 2' की कहानी

फिल्म बॉर्डर 2 भी पहले भाग की तरह 1971 के भारत-पाक युद्ध की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

'बॉर्डर 2' अगले साल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं क्योंकि यह न सिर्फ देशभक्ति से भरपूर है, बल्कि इसमें नई और पुरानी पीढ़ी का दमदार मेल भी देखने को मिलेगा।

अहान ने हाल ही में वरुण धवन के साथ एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है।

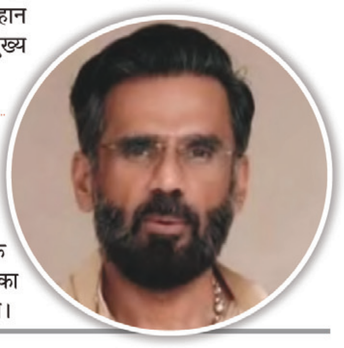

भारत की तरफ से ऑस्कर में गई थीं ये फिल्में

ऑस्कर अवॉर्ड जीतना किसी भी फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है। आज तक किसी भी भारतीय फिल्म ने 'बेस्ट फिल्म' की कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड नहीं जीता है। लेकिन कुछ हिंदी फिल्में रही हैं जो या तो ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई थीं या उन्हें भारत की तरफ से ऑस्कर एंट्री के तौर पर भेजा गया था। तो चलिए जानते हैं इन कमाल की फिल्मों के बारे में जो आपने नहीं देखीं तो जरूर देखना चाहिए।

लगान

आमिर खान की मल्टीस्टारर फिल्म 'लगान' को 'बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म' की कैटेगरी में ऑस्कर्स में नॉमिनेट किया गया था। फिल्म को भारत में काफी क्रेजी रिस्पॉन्स मिला लेकिन ऑस्कर्स में यह बाजी नहीं मार सकी।

सलाम बॉम्बे

मीरा नायर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को भी 'बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म' की कैटेगरी में ऑस्कर्स में नॉमिनेशन मिला था। फैंस बहुत खुश थे, लेकिन इसे भी ऑस्कर अवॉर्ड नहीं मिला।

रंग दे बसंती

नॉमिनेशन्स के अलावा उन टॉप फिल्मों की बात करें जिन्हें भारत की तरफ से ऑस्कर में एंट्री के तौर पर भेजा गया था तो इसमें पहला नाम है साल 2006 में आई आमिर खान की 'रंग दे बसंती' का।

तारे जमीन पर

आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर भी भारत की तरफ से ऑस्कर्स में भेजी गई थी। लेकिन दिल छू लेने वाली इस कहानी को भी ऑस्कर में जगह नहीं मिली।

मदर इंडिया

साल 1957 में आई 'मदर इंडिया' भी ऑस्कर में नॉमिनेट हुई थी। नरगिस और सुनील दत्त स्टारर यह फिल्म टॉप 5 तक पहुंचने में कामयाब रही थी।

धुरंधर फर्स्ट लुक में दिखा रणवीर सिंह का गुस्सा

रणवीर सिंह ने आदित्य धर द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म के पहले लुक में अपना गुस्सा दिखाया है। प्रोमो के साथ ही धुरंधर की रिलीज डेट की भी घोषणा की गई। वैसे तो रणवीर ने अपने पूरे करियर में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन यह फिल्म अब तक की उनकी किसी भी फिल्म से अलग है। बॉलीवुड कलाकार रणवीर सिंह-अभिनीत फिल्म 'धुरंधर' पांच दिसंबर को रिलीज होगी। निर्माताओं ने रविवार को इसकी जानाकरी दी। उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक से प्रसिद्धि पाने वाले आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह आगामी फिल्म जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत की गई है। निर्देशक आदित्य के साथ ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी इसके निर्माताओं में शामिल हैं। अभिनेता रणवीर सिंह के 40वें जन्मदिन पर फिल्म निर्माताओं ने इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म की पहली झलक सोशल मीडिया मंचों पर साझा की। इसमें रणवीर को गंभीर अवतार में दिखाया गया और फिल्म के लड़ाई वाले दृश्यों की झलक भी थी। पिछले साल जुलाई में घोषित इस फिल्म में अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल मुख्य किरदारों में नज़र आएंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहली झलक में शाश्वत द्वारा रचित एक उनकी अपनी धून है, जिसमें जैस्मीन सैंडलस ने स्वर दिए हैं। गीत के निर्माण में नए युग के उभरते कलाकार हनुमानकाइंड का भी सहयोग है।

31 जुलाई को रिलीज होगी 'किंगडम'

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंगडम' 31 जुलाई को रिलीज होगी विजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म 'किंगडम' की रिलीज डेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज तारीख की घोषणा कर दी है। विजय देवरकोंडा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है, जो उनकी आगामी फिल्म 'किंगडम' का नया प्रोमो है। इसकी शुरुआत में विजय को ऑफिसर की वर्दी में देखा गया। हालांकि, इसके बाद विजय को कैदी के अवतार में भी दिखाया गया, जिसमें वो अपने हक की लड़ाई लड़ते दिख रहे हैं। विजय ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि 'किंगडम' 31 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म किंगडममें विजय देवरकोंडा के अलावा भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्नानुरी ने किया है। फिल्म को सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा के बैनर तले नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा निर्मित किया जा रहा है।

विश्व मंच पर भारतीय संगीत की चमक

भारत, विशेष रूप से मुंबई के लिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक क्षण में, नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मंचन इंडिया वीकेंड की मेज़बानी करने जा रहा है। यह आयोजन न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित लिंकन सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में 12 से 14 सितंबर, 2025 के बीच आयोजित किया जाएगा।

तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में भारतीय संगीत और कलात्मकता का उत्सव मनाया जाएगा, जिसमें भारत के बेहतरीन कलाकारों का शानदार समूह प्रस्तुति देगा। इनमें ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार शंकर महादेवन, गायन सम्राज्ञी श्रेया घोषाल, और प्रख्यात कलाकार सिद्धार्थ महादेवन, शिवम महादेवन, मामे ख़ान, उस्मान मीर, आमिर मीर, तबला वादक ओजस आधिया, और सितार वादक पुर्बायन चटर्जी शामिल हैं। डैमरॉश पार्क में होने वाले ये कार्यक्रम शास्त्रीय और आधुनिक संगीत का संगम प्रस्तुत करेंगे जहां रागों की आत्मीयता, लोक संगीत की परंपरा, सूफियाना गायकी की शक्ति और आधुनिक फ्यूजन की ऊर्जा मैनहटन के दिल में गूंजेगी।

सबसे अधिक प्रतीक्षित प्रस्तुतियों में से एक है सितार वादक पुर्बायन चटर्जी की,जो भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहरी समझ और आधुनिक दृष्टिकोण के लिए विश्वविख्यात हैं। इस विशेष मंचन के बारे में बात करते हुए पुर्बायन चटर्जी ने कहा,"मैं इस बेहद खास प्रस्तुति को लेकर अत्यंत उत्साहित हूं,जिसे मेरे गुरु समान शंकर महादेवन जी ने क्यूरेट किया है। श्रेया घोषाल, उस्मान मीर, मामे खान, और प्रतिभाशाली ओजस आधिया जैसे दिग्गजों की उपस्थिति इसे एक अनोखा संगम बनाती है। मैं अंबानी परिवार, NMACC की टीम और विशेष रूप से शंकर जी का इस सम्मान के लिए आभार प्रकट करता हूं।"

नेहा कक्कड़ का लोगों ने खूब उड़ाया मजाक!

नेहा कक्कड़ की पोस्ट कुछ ही समय में वायरल हो गई, जिसमें कई लोगों ने गायिका को उनके पहनावे के लिए खरी-खोटी सुनाई। कई लोगों ने मज़ाक में कहा कि उनका लुक सुपरमैन से प्रेरित है। नेहा कक्कड़ के हाल ही में किए गए परिधानों के चयन ने नेटिज़न्स को निराश कर दिया है। गायिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने हाल ही के स्टेज परफॉरमेंस की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में नेहा सफेद टॉप के ऊपर नीली ब्रा पहने हुए नज़र आ रही हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने दो जोड़ी ट्रैक पैंट भी पहनी हैं, जिसमें सबसे ऊपर की परत थोड़ी छोटी या ढीली है। हालांकि, तस्वीरें शेयर किए जाने के तुरंत बाद, नेटिज़न्स कमेंट सेक्शन में पहुँच गए और गायिका को उनके आउटफिट के लिए ट्रोल किया। एक Reddit यूजर ने भी नेहा की कॉन्सर्ट की तस्वीरें प्लेटफॉर्म पर शेयर कीं और लिखा, "यह आउटफिट आखिर है क्या?"

तस्वीरों में, नेहा एक सफ़ेद फुल-स्लीव फ़िटेड क्रॉप टॉप और उसके ऊपर एक ब्लू ब्रालेट-स्टाइल टॉप पहने हुए दिखाई दे रही हैं। उन्होंने अपने लुक को बैगी ग्रे स्वेटपैंट के साथ स्टाइल किया है, जिसे उन्होंने कमर पर पहना है, जिससे उनके ब्लू ट्रैक शॉर्ट्स का कमरबंद बाहर झांक रहा है। जबकि गायिका ने एक स्पोर्टी और बोल्ड फ़ैशन स्टेटमेंट और स्ट्रीटवियर वाइब दिया, उन्हें उनके पहनावे के लिए ट्रोल किया गया। सोशल मीडिया यूज़र्स के एक वर्ग ने उनके टॉप के ऊपर ब्रा पहनने के लिए उनकी आलोचना की। एक यूज़र ने लिखा, "ये कौन सा फ़ैशन है, नीचे लोअर और ऊपर के ऊपर ब्रा।" एक अन्य यूज़र ने लिखा,"सब कुछ ठीक है, लेकिन आपका ड्रेसिंग सेंस जीरो है।" तीसरे यूजर ने लिखा,"इसने तो अंदर का बाहर या बाहर का अंदर पहन लिया है, इसलिए कहते हैं कि शिक्षा ज़्यादा ज़रूरी है।" चौथे यूजर ने कहा, "अगर हमारे यहाँ कोई ऐसा नहीं करता तो लोग पागल हो जाते।"

खबर-खास

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से रामबाई व तिहरो बाई की मौत

कवर्धा (समय दर्शन)। कुकदूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भल्लिम दादर में आकाशीय बिजली गिरने से दो बैगा महिलाओं की मृत्यु हो गई। मृतक महिलाएं कल शाम को बारिश होते में ही चरोटा भाजी तोड़ने गई थी। बहुत देर बाद भी वे वापस घर नहीं आई। तब घर वालों को चिंता हुई और वे खोजने निकले। लेकिन अंधेरा और मौसम खराब के चलते वे खाली हाथ ही वापस लौट गए। दूसरे दिन बुधवार की सुबह परिजन फिर खोजने निकले। तब उन्हें करीब आधा किलोमीटर दूर पहाड़ की ढाल में उनका शव मिला। इसके बाद ग्रामीण वापस गांव आए और पुलिस को सूचना दी। कुकदूर थाना प्रभारी आशीष कंसारी ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस घटना स्थल पहुँची और पंचनामा बनाकर शव को पीएम के लिए भेजा। विवेचना अधिकारी हिरेंद्र प्रताप ने बताया कि आकाशीय बिजली की चपेट में आने वाली महिलाओं में रामबाई पति भगत सिंह बैगा (34) एवं तिहरो बाई पति ज्ञानसिंह बैगा (40) दोपहर 3 बजे भाजी तोड़ने खेत में गए थे, उसी वक्त आकाशीय बिजली गिरने से दोनों उसकी चपेट में आ गए और उनकी मौत हो गई। कुकदूर पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री के पंडरिया दौरे से पहले ही किसान नेता रवि चंद्रवंशी सहित कई कांग्रेस नेता को थाना बुलाकर बिठाया

कवर्धा (समय दर्शन)।पिछले चार से पांच दिनो तक मुख्यमंत्री के पंडरिया नगर आगमन की तैयारी प्रशासनिक स्तर पर जोरो से चल रहा था एक ओर जहां सत्ता पक्ष मुख्यमंत्री का फूल मालाओं से स्वागत करने तैयार थे। वहीं दूसरी ओर विपक्ष शक्कर कारखाना में भुगतान, खाद की समस्याओं से पीड़ित किसानों के साथ मुख्यमंत्री का विरोध करने तैयार था। यह जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रशासन को थी। पुलिस अपना कर्तव्य निर्वहन करते हुए मुख्यमंत्री के सामने किसान विरोध दर्ज न करा पाए इसलिए किसान नेता रवि चंद्रवंशी सहित कई कांग्रेस नेताओं को सुबह 7 बजे ही उनके घर से गिरफ्तार कर पांडातराई थाना में बिठा दिया गया था। किसान कांग्रेस नेता रवि चंद्रवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन से पहले राजनीतिक दबाव में पुलिस द्वारा तानाशाही अपनाते हुए एक अपराधी की तरह मुझे सुबह 7 बजे ही घर से गिरफ्तार करना एक राजनीतिक और प्रशासनिक सोची समझी साजिश थी। वे नहीं चाहते थे कि उनकी कमियां, किसानों की बात मुख्यमंत्री तक पहुंचे इसलिए मुझे घर से गिरफ्तार किया गया साथ हमारे युवा कांग्रेस के अध्यक्ष चंदभान कौशले व अन्य साथियों को पंडरिया नगर से गिरफ्तार कर पांडातराई थाना में रखा गया था। श्री चंद्रवंशी ने गिरफ्तारी के बाद कहा कि किसानों की आवाज बनने, क्षेत्रीय समस्याओं के लिए संघर्ष करने पर भाजपा सरकार व उनकी पुलिस एक बार क्या हजार बार गिरफ्तार करेगी तो मैं उसके लिए तैयार है। परंतु किसान, महिला, मजदूर हित में हमारा संघर्ष पहले की भांति निरन्तर जारी रहेगा। दोपहर होते होते अत्यधिक बारिश के कारण मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम कैंसिल होने के बाद दोपहर 2 बजे गिरफ्तार सभी कांग्रेसियों को छोड़ दिया गया।

पेट्रोल पंप में लावारिश हालत में मिली दो कार,पुलिस ने किया जब्त

दुर्ग। जिले की थाना वैशाली नगर पुलिस ने गौरव पथ स्थित पेट्रोल पंप के पास से लावारिश हालत में रखे दो वाहनों को जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना वैशाली नगर पुलिस द्वारा टाउन पेट्रोलिंग के दौरान गौरव पथ स्थित पेट्रोल पंप में ऑडी वाहन क्रमांक डीएल-1 सीएस 6642 तथा पजेरो वाहन क्रमांक -डी.एल 1 सीक्यु 1303 लावारिस हालत में खड़ी थी जिसे धारा 106 बीएनएसएस के तहत जप्त कर थाना वैशाली नगर में लाया गया है। उक्त वाहन के संबंध में पेट्रोल पंप वालो से पूछताछ करने पर बताया गया कि शुभम यादव उक्त वाहनो में डीजल डलवाता है जो संभवत: फरार आरोपी दीपक कुमार सिंह उर्फ दीपक नेपाली द्वारा चलवाया जाना पता चला है जिसकी सुक्ष्मता से जॉच की जा रही है।

कलेक्टर ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण, स्वच्छता और शिक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने आज जिला मुख्यालय गरियाबंद के समीपस्थ ग्राम डोंगरीगांव एवं गरियाबंद के डाक बंगला के जीर्णोद्धार आंगनबाड़ी केन्द्रों और सखी वन स्टॉप सेंटर,किशोर न्याय बोर्ड तथा बाल कल्याण समिति का आकस्मिक निरीक्षण किया।इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय ने बताया कि जिले के 12 आंगनबाड़ी केन्द्रों को एक्शन अगेंस्ट हंगर द्वारा जीर्णोद्धार किया गया है।जो कि फ्रांस की एक वैश्विक मानवतावादी संगठन है।यह संगठन कुपोषित बच्चों की मदद करता है और समुदायों को सुरक्षित पानी और भूख के स्थायी समाधान तक पहुंच प्रदान करता है। कलेक्टर श्री उइके ने आंगनबाड़ी केन्द्र डोंगरीगांव एवं डाकबंगला का निरीक्षण करते हुए सामग्रियों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिये। इस दौरान रसोई कक्ष, सामग्री कक्ष का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दिए जाने वाले पौष्टिक भोजन, स्वच्छता और शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों की साफ-सफाई का अवलोकन किया और बच्चों से बातचीत कर उनका परिचय लिया और उन्हें चार्ट में लगे फलों सब्जियों,आकृतियों एवं फूलों के नाम भी पूछे और चॉकलेट भी बांटी।

कलेक्टर ने रेडी-टू-ईट फूड की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और इसे स्वच्छता के साथ समय पर बच्चों को परोसने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायिकाओं को बच्चों को शौचालय उपयोग करने और स्वच्छता के महत्व को समझाने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान कलेक्टर ने निर्धारित मेन्यू के अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को प्रतिदिन प्रदान की जाने वाली भोजन एवं नाश्ते के संबंध में भी जानकारी ली।इस मौके पर उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के वजन एवं ऊँचाई की जाँच कराकर कुपोषण मुक्ति हेतु किए जा रहे उपायों का जायजा लिया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक से आंगनबाड़ी केन्द्र में कुपोषित बच्चों की कुल संख्या तथा कुपोषण दूर करने हेतु किए जा रहे उपायों के फलस्वरूप वर्तमान में सामान्य श्रेणी में आने वाले बच्चों की संख्या के संबंध में भी जानकारी ली।उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराने तथा उन्हें नियमित रूप से पौष्टिक भोजन,नाश्ता इत्यादि प्रदान कर बच्चों को सामान्य श्रेणी में लाने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने टीकाकरण और स्वास्थ्य जांच की स्थिति की जानकारी ली।केंद्र के भंडार कक्ष में रखे रेडी-टू-ईट फूड के पैकेटों को सावधानीपूर्वक और सुरक्षित रखने और आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका लगाने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने सखी वन स्टॉप सेंटर,किशोर न्याय बोर्ड तथा बाल कल्याण समिति के निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी लेते हुए प्रकरणों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिये।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान

घर-घर जाकर लगभग 46 हजार 350 लोगों का किया जायेगा मलेरिया जांच

गरियाबंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मलेरिया मुक्त छ.ग.अभियान के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर बी.एस.उइके की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ यू.एस.नवरत्न ने बताया कि इस अभियान के तहत गरियाबंद जिले के गरियाबंद एवं मैनपुर विकासखण्ड के मलेरिया प्रभावित क्षेत्र एवं पहुंचविहिन ग्रामों में घर-घर जाकर लगभग 46 हजार 350 लोगों का मलेरिया जांच किया जायेगा। इस पर कलेक्टर ने सर्वे करने के उपरांत पाये गये धनात्मक मरीजों को पूर्ण उपचार एवं गंभीर मलेरिया प्रकरणों को नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्रों में रिफर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलेरिया मुक्त छ.ग. अभियान के तहत पाये गए धनात्मक मरीज के घर के आस-पास स्त्रोंत नियंत्रण गतिविधि भी किया जाए। जैसे मच्छर के लार्वा को नष्ट करने के लिए जली हुई तेल या केरोसीन तेल का छिड़काव करने के निर्देश दिये।डॉ नवरत्न ने बताया कि मलेरिया मुक्त छ.ग.अभियान के 12वां चरण के क्रियान्वयन हेतु सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी है एवं रैपिड रिस्पोंस टीम का गठन भी किया जा चुका है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला मलेरिया अधिकारी के द्वारा मलेरिया के रोकथाम एवं बचाव हेतु आवश्यक जानकारी दी गई है।इस दौरान बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जी.आर.मरकाम सहित अंतर्विभागीय समन्वय समिति के सदस्यगण,अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा स्वास्थ्य विभाग के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला-गरियाबंद, व्ही.बी.डी.टेक्निकल सुपरवाईजर एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

भक्ति,श्रद्धा और साईं नाम से गूंजा गरियाबंद, श्री साईं जन्मोत्सव पर निकली भव्य पालकी यात्रा

गरियाबंद (समय दर्शन)। श्री साईं जन्मोत्सव के अवसर पर गरियाबंद नगर में श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण देखने को मिला। साईं सेवा समिति गरियाबंद द्वारा आयोजित पालकी यात्रा में बुधवार को नगर भ्रमण किया गया,जिसमें साईं बाबा की भव्य पालकी श्रद्धालुओं के साथ पूरे गरियाबंद शहर में निकली।पालकी यात्रा की शुरुआत श्री साईं मंदिर से शाम 5 बजे हुई,जो पुराना मंगल बाजार,सुभाष चौक,बजरंग चौक,सीतला मंदिर और नगर के विभिन्न चौक-चौराहों से होकर पुन: साईं मंदिर वापस लौटी।यात्रा के दौरान जहाँ-जहाँ से पालकी निकली,वहां श्रद्धालुओं ने साईं बाबा की आरती उतारकर भक्ति भाव से स्वागत किया। पालकी को कंधे पर उठाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखते ही बनता था। भारी संख्या में महिला,पुरुष और युवा भक्त यात्रा में शामिल हुए।जय साईं राम के नारों से पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूब गया। ज्ञात हो कि यह साईं पालकी यात्रा समिति द्वारा हर वर्ष पारंपरिक रूप से निकाली जाती है,और इस वर्ष यह 31वां वर्ष रहा। आयोजन की तैयारी और संचालन में समिति के सदस्य पूरी निष्ठा के साथ जुटे रहे। 10 जुलाई को श्री साईं जन्मोत्सव के मुख्य दिन,प्रात: 9 बजे हवन,पूजन, दुग्धाभिषेक और महाआरती का आयोजन होगा।दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक भंडारे (प्रसाद वितरण) का आयोजन किया गया है।

मॉनसून में आयुर्वेद डाइट अपनायें और कुदरती रूप से दमकती और सेहतमंद त्वचा पाएं: डॉ मधुमिता कृष्णन

रायपुर, मॉनसून में त्वचा बेजान हो जाती है और इसमें कोई ग्लो नहीं दिखता। लोग अक्सर बाहरी उपाय अपनाते हैं, जो थोड़ी देर राहत देते हैं, लेकिन बार-बार इस्तेमाल से दाने, काले धब्बे या खुजली हो सकती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मधुमिता कृष्णन आयुर्वेद विशेषज्ञ सलाह देती हैं कि त्वचा और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक तरीके अपनाएं। वे कहती हैं कि स्वस्थ खाना खाएं और बादाम, हर्बल चाय और हल्दी जैसे प्राकृतिक चीजों को अपनी डाइट में शामिल करें। आयुर्वेद के मुताबिक, सही खानपान शरीर के तीन दोषों-वात, पित्त और कफ-को संतुलित करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है, क्योंकि अच्छी त्वचा के लिए अच्छा पाचन जरूरी है। बादाम को डाइट में शामिल करें: बादाम वात दोष को संतुलित करने की क्षमता रखते हैं। यह मौसम के असंतुलन को ठीक करते हैं और शरीर को मजबूती प्रदान करते हैं, जिससे सभी ऊतकों को ऊर्जा और ताजगी मिलती है। आयुर्वेद की पारंपरिक तैयारियों में बादाम का महत्वपूर्ण स्थान है, जो पूरे भारत में लोग अपनाते हैं। त्वचा के स्वास्थ्य के लिए, डॉ. मधुमिता रोजाना नाश्ते में बादाम शामिल करने की सलाह देती हैं ताकि स्वस्थ, चमकदार त्वचा मिले। आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी ग्रंथों में भी बादाम खाने से त्वचा को होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताया गया है,। जो त्वचा की चमक बढ़ाने में मदद करते हैं।

मीशो मॉल पर टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू के उत्पाद मिलना हुए शुरू

रायपुर: मीशो मॉल ने टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू इंडिया के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के बाद अब भारत में सभी ग्राहकों को ब्रांडेड दैनिक वैलनेस, बेवरेज और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ेगी। मीशो मॉल पर पूरे देश के ग्राहक अब टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू के उत्पाद आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। उन्हें पर्सनल केयर से लेकर वैलनेस और बेवरेज तक दैनिक उपयोग की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी। इस पार्टनरशिप द्वारा खासकर टियर 2+ शहरों में मीशो के लाखों शॉपर्स टाटा टी, टेटली और टाटा कॉफी जैसे टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स और क्लीन एंड क्लियर फेस वॉश, जॉनसंस बेबी केयर प्रोडक्ट्स और स्टेफ्री सिक्योर सैनिटरी पैड जैसे केन्व्यू के उत्पाद आसानी से खरीद सकेंगे। देहरादून, पुरी, मदुरई और सूरत जैसे शहरों के ग्राहक दैनिक उपयोग की सामग्री, जैसे ग्रीन टी, स्किनकेयर, और हाईज़ीन प्रोडक्ट्स की खरीदारी ऑनलाईन प्लेटफॉर्म्स के ज्यादा करने लगे हैं। मीशो मॉल पर इन श्रेणियों में ग्राहकों की गहरी दिलचस्पी है तथा लॉन्च के एक महीने के अंदर ही टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू इंडिया के उत्पादों की मांग बढ़ रही है। मीशो के साथ टाटा कंज़्यूमर प्रोडक्ट्स और केन्व्यू इंडिया की गहरी होती पार्टनरशिप के साथ वो डिजिटल फर्स्ट ग्राहकों के तेजी से बढ़ते हुए वर्ग के बीच पहुँच रहे हैं। टियर 2+ बाजारों में मीशो की बढ़ती पहुँच के साथ ब्रांड्स भारत के विकसित होते हुए परिदृश्य में अपनी मौजूदगी व उपयोगिता बढ़ा रहे हैं।''

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रूजर हाइराइडर के लिए विशेष 'प्रेस्टीज पैकेज' पेश किया

बैंगलोर : ग्राहकों की खुशी बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी लोकप्रिय सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड एसयूवी - अर्बन क्रूजर हाइराइडर के लिए सीमित अवधि का प्रेस्टीज पैकेज पेश किया है । एसयूवी के पहले से ही बोल्ड व परिष्कृत आकर्षण को और बढ़ाने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया, यह विशेष एक्सेसरी बंडल ग्राहकों को रोज़मर्रा की ड्राइविंग के लिए स्टाइल, उपस्थिति और कार्यक्षमता की एक अतिरिक्त परत प्रदान करता है।

जुलाई 2025 से उपलब्ध प्रेस्टीज पैकेज में 10 उच्च मूल्य वाले डीलर के फिट किये और सही ऐसेसरीज हैं जो हाइराइडर के मजबूत शहरी डिजाइन के लिए पूरी तरह पूरक हैं :

1. डोर वाइज़र ङ्क प्रीमियम एसएस इंसर्ट के साथ 2. हुड एमब्लेम 3. रियर डोर लिड गार्निश 4. फेंडर गार्निश 5. बॉडी क्लैडिंग 6. फ्रंट बम्पर गार्निश 7.हेड लैंप गार्निश 8. रियर बम्पर गार्निश 9. रियर लैंप गार्निश ङ्क क्रोम 10. बैक डोर गार्निश

प्रत्येक ऐसेसरी को हाइराइडर के विशिष्ट एसयूवी चरित्र के साथ सहजता से मेल खाने के लिए तैयार किया गया है - जो इसके मस्कुलर स्टांस, क्रोम हाइलाइट्स और आकर्षक सिलुएट को बढ़ाता है, साथ ही अतिरिक्त सुरक्षा और स्थायित्व भी प्रदान करता है।

बी-एसयूवी सेगमेंट में एक मानक - अर्बन क्रूजर हाइराइडर के केंद्र में सेगमेंट का पहला सेल्फ-चार्जिंग स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक पावरट्रेन है जो असाधारण ईंधन दक्षता और सुचारू, शांत प्रदर्शन के लिए पेट्रोल और इलेक्ट्रिक पावर को समझदारी से जोड़ती है। टोयोटा के 1.5लीटर टीएनजीए एटकिंसन साइकिल इंजन और एक उन्नत इलेक्ट्रिक मोटर से संचालित, हाइब्रिड वैरिएंट शहर और हाईवे दोनों ड्राइव के लिए आदर्श है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला-कबीरधाम

ईश्तहार

अ/2, वर्ष 2024-25
ई कोर्ट नम्बर..
क्रमांक /1790/अ.वि.द. /
प्रवा- 2/2025
कवर्धा, दिनांक 09/07/2025

विषयांतर्गत लेख है, कि आवेदक ढलगन पिता श्री बुधराम निवास का पता-ग्राम बिरकोना तहसील-पिपरिया जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ ने अपने निजी स्वामित्व की ग्राम बिरकोना प0 ह0 नं0-03 रा.नि.म. पिपरिया तहसील-पिपरिया स्थित भूमि खसरा नम्बर 20/3 रकबा 0.243 हेक्टेयर भूमि को कृषि संबंधित औद्योगिक प्रयोजनार्थ (गुड़ उद्योग) व्यपवर्तन किये जानें हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है ।

उक्त आवेदित भूमि का व्यपवर्तन किये जानें से जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 16/07/2025 को समय 05:30 बजे तक स्वत: या अपने अभिभाषक के माध्यम से कर सकते हैं। पश्चात के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।

जारी दिनांक 02/07/2025
पेशी दिनांक- 16/07/2025

अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) कवर्धा
मुहर **जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़**

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर
जोन क्र.-5
:: निविदा आमंत्रण सूचना :

क्र. 2035/ जोन क. 5/लो.क.वि./2025 रायपुर, दिनांक 07.07.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत 'द' से प्रवर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्यों हेतु सीलबंद निविदायें तीन लिफाफा पद्धति में दिनांक 28.07.25 तक को 4:00 बजे तक स्पीड पोस्ट के माध्यम से नगर पालिक निगम जोन कार्यालय क्रमांक 5 में आमंत्रित की जाती है। इस हेतु निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिये दिनांक 17.07.25 तक आवेदन के साथ निर्धारित निविदा प्रपत्र की राशि जमा करने के पश्चात प्राप्त किये जा सकेंगे। दिनांक 22.07.25 तक निविदा प्रपत्र जारी होंगे। प्राप्त निविदाये दिनांक 28.07.25 को सांय 06:00 बजे खोली जावेगी।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रुपए)	निविदा प्रपत्र का मुल्य	कार्य की अवधि	एस.ओ.आर. नॉन एस.ओ.आर
1	जोन कमांक 05 क्षेत्रांतर्गत विभिन्न स्थानों में स्पीड ब्रेकर लगाने के संबंध में। (सड़क बाधा)	1.00	3000/-	300/-	3 माह	NON SOR
2	वामनराव लाखे वार्ड क. 66. जोन क. 05 सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण मां कर्मा सामुदायिक भवन, पानी टंकी के पास कुशालपुर रायपुर। (छष्टम निविदा) विधायक निधि	5.000	7500/-	750/-	6 माह	PWD SOR Building (01.01.15
3	भक्तमाता कर्मा वार्ड क. 67 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में नवीन साइनेज बोर्ड लगाने एवं साइनेज बोर्ड में मरम्मत का कार्य।	2.50	3800/-	750/-	3 माह	PWD SOR Building (01.01.15
4	भक्तमाता कर्मा वार्ड क. 67, जोन क. 5, यादव पारा लीलाधर यदु के घर के पास रंगमंच एवं कमरा निर्माण कार्य। (विधायक निधि) तृतीय निविदा	5.00	7500/-	750/-	4 माह	PWD SOR Building (01.01.15
5	भक्तमाता कर्मा वार्ड क. 67 अंतर्गत बी.एस.यू.पी. कालोनी, मुस्लिम मोहल्ला में रंगमंच निर्माण कार्य। (अधोसंरचना मद) चतुर्थ निविदा	4.52	6800/-	750/-	4 माह	PWD SOR Building (01.01.15
6	खूबचंद बघेल वार्ड क.68 अंतर्गत शीतला मंदिर के पास विवेकानंद चौक में नाली निर्माण कार्य। (द्वितीय निविदा) सामान्य मद	0.62	2000/-	300/-	2 माह	PWD SOR (Road) 01.01.15

शर्ते

1 निविदा के दस्तावेज रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा।
2 कार्य से संबंधित अन्य जानकारी एवं शर्ते कार्यालयीन दिवस में नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
3 तीन वर्ष के आयकर की बाध्यता नए फर्मों के लिए बाध्यकारी नहीं होगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

चार दिन से हो रही बारिश से सामान्य जन जीवन अस्त व्यस्त

सरायपाली (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला अंतर्गत विकासखण्ड सरायपाली मे चार दिन से रूक रूक हो रही बारिश से सामान्य जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है।

सरायपाली के परकोल गांव में 2 मकान ढह गया है। मिली जानकारी के अनुसार लाखों के सामान का नुकसान भी हुआ है। इस बारीस से कई गांव का संपर्क नालों में पानी बहने से विकासखण्ड मुख्यालय से कट गया है। जिले में लगातार चार दिनों से हुई झमाझम बारिश 'से जनजीवन अस्त- व्यस्त हो गया है। लगातार रूक-रूककर हो रहे बारिश से सरायपाली बसना अंचल के खेत खलिहान जलमग्न हो चुका हैं । वहीं सरायपाली के परसकोल 'गांव में 2 मकान हुआ बारिश के कारण धराशाही हो गया है।इसो घटना मे जनहानि नहीं हुई हे।घटना के वक्त जर्जर घर में कोई वयक्ति मौजूद नहीं था।

वहीं ग्रामीण इलाकों के नीचली बस्तियों में लोगों के घरों में गंदा पानी गुस रहा है, जिससे लोग परेशान है। जगह जगह सड़के जाम हो गई हैं।

जिससे ग्रामीणों को रोजमर्रा के चीजों के लिए लोगों को मोहताज होना पड रहा है, जिला प्रशासन द्वारा भी इन इलाकों में अलर्ट जारी कर नदी नलों के करीब जाने से मना किया गया है।

लेकिन लोग इस चेतावनी को दरकिनार कर लोगों द्वारा जान जोखिम में डालकर नदी नाले घूमने जा रहे है। जो प्रशासन के लिए सर दर्द बन गया ,इसी लापरवाही के कारण चार दिन पहले सरायपाली के रक्सा गांव में चेक डैम में जमीन धंसने से एक व्यक्ति बह गया जिसकी मौत हो गई।

संक्षिप्त-खबर

सरपंच दुलेश्वरी दीवान द्वारा ठाकुरदिया कला के शाला परिसर में पौधा रोपण

पिथौरा (समय दर्शन)। शासकीय पूर्व माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला ठाकुरदिया कला में 9 जुलाई बुधवार को सरपंच श्रीमती दुलेश्वरूरी दीवान ने प्रधान पाठक छबिराम पटेल, श्रीमती कुसुमलता कुर्रे,शिक्षक मोहितराम पटेल , मुकेशकुमार सिन्हा, विजय कुमार अनंत, रोजगार सहायक रामकुमार पटेल ,सक्रिय महिला समूह की छाया दीवान, ललिता ठाकुर, रोशनी दीवान,लक्ष्मी दीवान तथा मितवा समिति की नीरा ठाकुर की उपस्थिति एवं सहयोग से शाला परिसर में पौधा रोपण कार्यक्रम के तहत 25 से ज्यादा पौधों का रोपण किया गया।

इस दौरान स्कूली बच्चों ने भी चढ़- बढ़ कर हिस्सा लिया। मोदी जी के विश्वव्यापी वृक्षारोपण अभियान एक पेड़ मां के नाम थीम से प्रभावित होकर अनेक शासकीय व अर्धशासकीय तथा सामाजिक व सार्वजनिक जगहों मे वृक्षारोपण कार्य को वृहद पैमाने पर सम्पन्न किया जा रहा है। श्रीमती दुलेश्वरी दीवान ने बताया कि,ग्राम के विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फल,फूल व छायादार पौधों का पौधरोपण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि,गाँव के लोगों से भी अपील किया गया है कि,सभी ग्रामवासी कम से कम एक पेड़ मां के नाम पर लगाकर उसे संरक्षण करें ।

जिला शिक्षा अधिकारी पहुंचे सुदूर ग्रामीण अंचल ग्राम टेमरी

सरायपाली (समय दर्शन)। शिक्षा विभाग में चल रहे गुणवत्ता सुधार के तहत जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे सुदूर अंचल शिशुपाल पहाड़ की तलहटी में बसा ग्राम टेमरी पहुंचे। महज यह जिला मुख्यालय से लगभग 160 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। विगत 7 जुलाई 2025 को शाला प्रबंधन समिति एवं ग्रामीण जनों के द्वारा उनके कार्यालय में मुलाकात किया गया। उनकी समस्याओं को देखते हुए स्वयं डीईओ ग्राम टेमरी पहुंचकर उनके द्वारा प्राथमिक ,उच्च प्राथमिक, हाई हायर सेकेंडरी में अध्यापन हेतु शिक्षकों की सहमति से निराकरण किया गया। इस तत्परता के साथ समस्या का निराकरण देख ग्रामीण जन उत्साहित हुए। साथ ही शिक्षा विभाग के सफल संचालन हेतु संकुल समन्वयकों की समीक्षा बैठक ली गई। हायर सेकंडरी विद्यालय के बच्चों से बात किए। बच्चों को अपने पढ़ाई स्तर सुधारने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश और टिप्स दिए गए।डीईओ से मिलकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। चिकित्सकों द्वारा बच्चों का नेत्र परीक्षण भी करवाया गया। वापसी के समय शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किसड़ी का औचक निरीक्षण किया गया।विद्यालय व्यवस्था को देखकर प्राचार्य के.आर.भोई,वरिष्ठ व्याख्याता किशोर कुमार रथ एवं समस्त स्टाफ की प्रशंसा की।इस कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य कुमारी भास्कर, सरपंच ग्राम पंचायत टेमरी,ग्रामीण जन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र मांझी उपस्थित थे।

कलेक्टर मिश्रा ने की खाद्य एवं संबंधित विभाग की समीक्षा

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। /कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने खाद्य, पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला विपणन, नागरिक आपूर्ति निगम तथा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने जिले में धान के उठाव, स्टेक नीलामी और भंडारण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने नीलामी हेतु शेष स्टेक, क्रेताओं को जारी स्टेक संख्या, बीओ की मात्रा, उठाव की स्थिति तथा शेष धान की मात्रा की जानकारी ली। साथ ही नागरिक आपूर्ति निगम और खाद्य निगम में अब तक जमा किए गए चावल की जानकारी भी ली। बताया गया कि जिले के लिए 5 लाख 53 हजार 663 मीट्रिक टन के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 2 लाख 78 हजार 665 मीट्रिक टन चावल जमा किया जा चुका है। बैठक में जिला खाद्य अधिकारी श्री बी.के.कोर्राम, सहकारिता विभाग के श्री प्रदीप ठाकुर, नान के श्री सुनील सिंह सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि जिलें में विभिन्न स्थानों में गोदाम बनाए जाने हैं। इसके लिए मंडी बोर्ड के जरिए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मंडी में धरमकांटा स्थापित करने के निर्देश कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने मंडी बोर्ड द्वारा बनाए जाने वाले चबूतरा निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बाल श्रम उन्मूलन हेतु सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश शुक्ला के सुझावों को मिली राष्ट्रीय मान्यता

- राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने आजीविका मिशनों से जुड़ाव पर दी सहमति

महासमुन्द (समय दर्शन)। बाल श्रम की बढ़ती समस्या और बाल अधिकारों के संरक्षण की दिशा में सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश शुक्ला द्वारा उठाए गए एक महत्वपूर्ण सुझाव को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ह्ष्क्क्च्क्र), भारत सरकार द्वारा गंभीरता से लिया गया है। श्री शुक्ला ने आयोग को यह प्रस्ताव प्रेषित किया था कि ग्राम स्तर पर गठित स्व-सहायता समूहों (स्॥त्रस्) को बाल अधिकार अधिनियम तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान कर उन्हें इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से प्रशिक्षित किया जाए।

इस सुझाव की न केवल सराहना की गई, बल्कि आयोग द्वारा इस विचार को निकट भविष्य में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (ह्स्रू) तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ह्क्रस्रू) के साथ समन्वयित कर देशभर में लागू करने की दिशा में सहमति व्यक्त की गई है। यह पहल बाल अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता को निचले स्तर तक पहुँचाने में एक अत्यंत प्रभावी और दूरगामी कदम माना जा रहा है।

श्री शुक्ला का मानना है कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण और शहरी समुदायों के बीच भरोसेमंद सामाजिक इकाइयाँ हैं, जो महिलाओं, युवाओं एवं आम नागरिकों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी होती हैं। यदि इन्हें बाल अधिकारों की जानकारी दी जाए, तो ये समाज में बाल श्रम, बाल विवाह, बाल तस्करी और बाल शोषण जैसी समस्याओं के विरुद्ध सशक्त प्रहरी की भूमिका निभा सकती हैं।

आयोग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि स्व-सहायता समूहों को प्रशिक्षित करने के लिए राज्य स्तरीय बाल संरक्षण समितियाँ, चाइल्डलाइन 1098, स्थानीय एनजीओ, और पंचायत स्तरीय संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रशिक्षण मॉड्यूल स्थानीय भाषा में तैयार कर उन्हें डिजिटल और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से सुलभ कराया जाएगा। इससे न केवल बाल श्रम के मामलों की पहचान और रिपोर्टिंग में सुधार आएगा, बल्कि समय पर हस्तक्षेप और पुनर्वास की प्रक्रिया भी प्रभावी हो सकेगी।

यह पहल भारत सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'समग्र शिक्षा अभियान' एवं 'बाल सुरक्षा नीति' जैसी योजनाओं को भी प्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्रदान करेगी। साथ ही, यह संविधान में उल्लिखित बालकों के अधिकारों को संरक्षित करने और अनुच्छेद 21 के तहत शिक्षा के अधिकार को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस पहल मानी जा रही है।

सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश शुक्ला के इस सुझाव को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति मिलना न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह उस जन-संवेदनशीलता का परिचायक भी है जो समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े बालक के जीवन में बदलाव लाने के संकल्प से प्रेरित है।

युक्तियुक्त करण मे स्थानांतरित व्याख्याताओं को दी गयी विदाई

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शास उच्च माध्य विद्यालय दुलारपाली में युक्तियुक्त करण से स्थानांतरित व्याख्यातागण शरद कुमार बाघ एवं दुबेलाल पोर्ते के सम्मान में विद्यालय परिवार द्वारा विदाई व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।

विद्यालय मे विगत चौदह वर्षों से अंग्रेजी विषय के व्याख्याता रहे दुबेलाल पोर्ते, एवं बारह वर्षों तक भूगोल विषय के व्याख्याता के रूप सेवा देने वाले शरद कुमार बाघ का युक्तियुक्त करण के तहत स्थानांतरण विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछिया एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेवरा के लिए हुआ है।

सम्मान व विदाई समारोह के दौरान छात्राआरती साहू एवं छात्र हर्ष साहू ने गीत कविता के माध्यम से अपने प्रिय शिक्षकों के सम्मान में कविता पाठ किया।

शिक्षकों ने अपने-अपने उदबोधन में विभिन्न विद्यालयीन गतिविधियों को याद करते हुए समस्त शिक्षकों, छात्र छात्राओं, पालकों और समस्त ग्रामवासियों से अब तक सहृदयता से जुड़े रहने के आत्मीय भाव को बयां करते हुए अपने बात रखे। अध्यापन अवधि में स्नेह प्यार और इतना मान सम्मान दिया उसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किये। शाला प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ गोपीनाथ साहू ने दोनों को उत्कृष्ट शिक्षक बताया। उन्होंने कहा कि, विद्यालय और गाँव हमेशा आपके समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठता को याद नहीं भूला पाएगा। शाला परिवार की तरफ से उन्होंने शाल श्रीफल से शिक्षकों का सम्मान कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

डायोसिस के बाद अब शतरंज के बोर्ड पर आईसीसीडीसी

बिलासपुर (समय दर्शन)। प्रदेश की मसीही संस्थाएं और उसके पदाधिकारी षड्यंत्रकारी है या षड्यंत्र के शिकार इस प्रश्न का उत्तर खोजना जटिलता भरा है। बरसों पहले आईसीसीडीसी और उसके पैतृक संस्था ने अपनी दो नजूल संपत्ति उसे समय के राय साहेब की उपाधि प्राप्त बनवारी लाल को बेची कभी से मंदिर चौक स्थित संपत्ति, विवाद का विषय बनी कोर्ट दर कोर्ट, फैसले दर फैसले के बाद भी अभी तक इसके पक्षकार एक दूसरे पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हैं।

आईसीसीडीसी स्वयं को 1962 में पंजीकृत बताती है सिविल लाईन थाने के बाजू का डिसाईपल्स चर्च के पीछे इनका कार्यालय है। कार्यालय के बाहर बोर्ड लगा है न्यायालीन आदेशों को पढ़ने समय यह पता चलता है कि इस संस्था के सचिव एक समय अधिवक्ता एल.एन. सोनी हुआ करते थे। जो अब पृथ्वी नमक ग्रह पर जीवित नहीं है। वर्तमान सचिव बहुत सारे संस्थानों पर शिकायत पत्रों में संस्था के लिए हुई अनियमितताओं का दोषारोपण इन्हीं पर करके आगे बढ़ते हैं। पंजीयन संबंधी दस्तावेज और उसमें संलग्न नियमावली से स्पष्ट होता है कि संस्था का मुख्य पदाधिकारी 62 वर्ष की आयु पूरी करते ही सेवानिवृत हो जाएगा। इस नियम का ईमानदारी के साथ पालन यहां होता दिखाई नहीं देता।

उच्च न्यायालय ने भी एक से अधिक बार तत्कालीन सचिव के आवेदन को इसी आधार पर खारिज़ किया है, और वर्तमान पदाधिकारी भी आयु सीमा के चक्कर में आ चुके हैं। कहा जाता है कि आयु संबंधी सीमा में संशोधन हुआ है पर उसके दस्तावेजी प्रमाण पढ़ने में नहीं आए। चर्च के पीछे स्थित ऑफिस में नवीन निर्माण होता रहा पर ना तो नजूल/नगर पालिका निगम से एनओसी प्राप्त की गई। मसीही समाज के ऐसे पदाधिकारी जो अपने नाम के आगे रेवरेंट की उपाधि लिखते हैं उन्हें कुछ विशेषाधिकार यूं ही मिल जाता है, और वे इसका उपयोग करने से संकोच भी नहीं करते। इस समय बिलासपुर के एक थाने में आईसीसीडीसी के पदाधिकारी और सरकंडा क्षेत्र के एक सेठ की शिकायत चर्चा का विषय है। दो पेज की इस शिकायत की 10000 करोड़ का मामला छुपा हुआ है। दोनों आवेदक स्वयं को पीड़ित बताते हैं और विभिन्न न्यायालयों के आदेश और समझौते का उल्लेख करते हैं पर आवेदन के साथ दस्तावेज नहीं लगते संस्थाओं की आय व्यय में भी ऐसी एंट्री ही नहीं है जिनका उल्लेख न्यायालय के वाद पत्रों में भी किया गया है। जमीन संबंधी यह कथानक मकड़ी के जल के समान रचा बसा है। जिसे साधारण समझ वाला पकड़ ही नहीं सकता.....

विप्र भवन पाटन में बनेगा अतिरिक्त कमरा, नपं अध्यक्ष, सीएमओ ने किया स्थल निरीक्षण

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन में स्थित विप्र भवन में अतिरिक्त कमरा बनेगा। जानकारी के मुताबिक उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा समाज को आबंटित किए गए राशि 20 लाख द कक्ष निर्माण के लिए विप्र भवन निर्माण होगा । इसके लिए आज स्थल निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ,उपाध्यक्ष श्रीमती निशा सोनी ,लोक निर्माण प्रभारी केवल देवांगन ,सभापति देवेन्द्र ठाकुर, पार्षदद्वय जित्तू निर्मल , बिज्जू देवांगन ,मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत वर्मा , उप अभियंता श्री निर्मलकर द्वारा विप्र समाज के उपाध्यक्ष आभास दुबे , कोषाध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा , प्रमोद मिश्रा ,आदित्य सावर्णी सहित अन्य मौजूद रहें।

यह कोई आयोजन नहीं, नेतृत्व की नींव है-डॉ.सम्पत अग्रवाल

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के हरे-भरे पर्वतीय क्षेत्र मैनपाट में भाजपा का त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर पार्टी के मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के समर्पण और संगठनात्मक दृष्टिकोण की एक मिसाल बनकर संपन्न हुआ। प्रदेश के 'शिमला' कहे जाने वाले इस स्थल की प्राकृतिक शांति के बीच राजनीतिक अनुशासन और वैचारिक प्रतिबद्धता का यह शिविर न केवल संवाद का मंच बना, बल्कि आत्म-चिंतन और नवाचार का भी आधार रहा।

मूल्यों और विचारों की संकल्पभूमि बनी मैनपाट की वादियाँ- बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने इस अवसर पर शिविर को नेतृत्व निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला卐 बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को सशक्त बनाने की यात्रा है, जहाँ अनुशासन, विचार और संगठन का समन्वय होता है। हम सब एक परिवार है । और परिवार के साथ बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने अपनी अनुभूति साझा करते हुए कहा, इस प्रशिक्षण शिविर ने मुझे मेरे छात्र जीवन की याद दिला दी, जहाँ समयपालन, संयम और समर्पण हमारे जीवन का हिस्सा था।

अनुशासित दिनचर्या से आत्मसुधार की दिशा- विधायक डॉ अग्रवाल ने शिविर की दिनचर्या का वर्णन करते हुए बताया कि सभी प्रतिनिधियों ने प्रातः योगाभ्यास से दिन की शुरुआत की, तत्पश्चात विभिन्न सत्रों में भाग लेकर संगठन के रणनीतिक पक्षों को गहराई से जाना। उन्होंने कहा, 卐यहां हम नेता नहीं, एक छात्र बनकर आए थे— अनुशासन की भावना से ओतप्रोत, सेवा और विचार के उद्देश्य से प्रेरित।

राजनीतिक कार्यकर्ता से जनसेवक तक की यात्रा- विधायक ने स्पष्ट किया कि एक भाजपा कार्यकर्ता का मूल धर्म केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि समाज की सेवा है। उन्होंने कहा, हमें केंद्र और राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनङ्कजन तक पहुंचाना है, ताकि पार्टी की जड़ें बूथ स्तर तक गहराई से फैली रहें। यही संगठन की असली शक्ति है।

सामाजिक समरसता और विपक्ष के दुष्प्रचार का जवाब- विधायक डॉ अग्रवाल ने विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमें तथ्यों के आधार पर संयमित और सटीक जवाब देने की रणनीति अपनानी होगी। उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं को भावनात्मक रूप से जनता से जुड़ने और भाजपा के विचारों को सकारात्मकता के साथ प्रस्तुत करने की सलाह दी।

डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों की जनजागरण यात्रा- विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने विकास को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। उन्होंने बताया कि इसकी उपलब्धियों और इनिशिएटिव्स को गांवङ्कगांव और घरङ्कघर तक पहुंचाने का संकल्प इस प्रशिक्षण शिविर का एक अहम उद्देश्य है।

भाजपा—एक राजनीतिक दल नहीं, विचारों का समर्पित आंदोलन- विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा, भाजपा केवल एक पार्टी नहीं, यह विचार, मूल्य और सेवा से जुड़ा एक समर्पित आंदोलन है। यही कारण है कि आज भी देश में मोदी जी की सरकार को जनता का अटूट समर्थन प्राप्त है। हम जनता के दिलों से जुड़ते हैं और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

समापन अवसर पर भावनाओं का उद्गार- शिविर के समापन पर वातावरण उल्लास और जोश से भर उठा। मुख्यमंत्री, मंत्रीगण और विधायकगण एक मंच पर आए, जहाँ भावनात्मक एकता और संगठनात्मक ऊर्जा की मिसाल देखने को मिली। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने झूमकर भाग लिया और एकजुटता का प्रदर्शन किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27